RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः152, मंगलवार , 10 जून 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

गोविन्दगंज विधानसभा स्तरीय संगठनात्मक समीक्षा बैठक का सफल आयोजन 03

अरेराज में 20 सूत्री समिति की पहली बैठक संपन्न 04

सरदार 2 की शूटिंग के लिए बैंकॉक पहुंचीं मालविका मोहनन 07

आईएसएस जाने से पहले शुभांशु शुक्ला की फाइनल रिहर्सल

● आज इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए रवाना होंगे, ऐसा करने वाले पहले भारतीय बनेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला एक्सिओम मिशन 4 के तहत कल 10 जून को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन जाएंगे। इससे पहले रविवार को शुभांशु ने फुल ड्रेस फाइनल रिहर्सल की। इसमें असेंबली बिल्डिंग से रॉकेट तक जाने और उसमें बैठने के प्रोसेस को फॉलो किया। इस दौरान शुभांशु ने कहा- यह एक बेहतरीन यात्रा रही है। ये पल बताते हैं कि आप किसी ऐसी चीज का हिस्सा बनने जा रहे हैं जो आपके खुद से बहुत बड़ी है। मैं बस इतना कह सकता हूं कि मैं बहुत सौभाग्यशाली हूं कि मुझे मिशन का हिस्सा

बनने का अवसर मिला। एक्सिओम मिशन 4 ((एएक्स×-4) में चार देशों के चार एस्ट्रोनॉट 14 दिन के लिए स्पेस स्टेशन जाने वाले हैं। यह मिशन 10 जून 2025 को शाम 5.54 बजे लॉन्च होगा। शुभांशु यहां पर जाने वाले पहले और स्पेस में जाने वाले दूसरे भारतीय होंगे। इससे पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी। शुभांशु के साथ तीन और एस्ट्रोनॉट जाएंगे एक्सिओम 4 मिशन के चालक दल में भारत, पोलैंड और हंगरी के मेंबर शामिल हैं। स्लावोज उज्नान्स्की 1978 के बाद स्पेस में जाने वाले पोलैंड के दूसरे एस्ट्रोनॉट होंगे। टिबोर कापू 1980 के बाद स्पेस में जाने वाले हंगरी के दूसरे एस्ट्रोनॉट होंगे। अमेरिकी की पैगी व्हिटसन का यह दूसरा कॉमर्शियल ह्यूमन स्पेस फ्लाइट मिशन है। शुभांशु शुक्ला मूल रूप से लखनऊ के हैं।

अब मुंबई लोकल ट्रेन में लगेंगे ऑटोमैटिक दरवाजे

● ठाणे में 4 लोगों की मौत के बाद रेलवे का बड़ा ऐलान

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में सोमवार सुबह यात्रियों से भरी एक चलती ट्रेन से गिरकर कम से कम चार लोगों की जान चली गई। पुलिस के एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि हादसे में छह अन्य यात्री घायल भी हुए हैं। इस हादसे के कुछ घंटों बाद ही रेलवे बोर्ड ने बड़े ऐलान किए हैं। रेलवे के कार्यकारी निदेशक (सूचना एवं प्रचार) दिलीप कुमार ने बताया है कि मुंबई लोकल की सभी निर्माणधीन रैकों में ऑटोमैटिक दरवाजे लगाए जाएंगे। अधिकारी ने सोमवार को एक बयान में कहा,मुंबई उपनगरीय के लिए निर्माणाधीन सभी रेकों में स्वचालित दरवाजा बंद करने की सुविधा होगी।

● ट्रेन से गिरे 10 लोग, चार की गई जान - वहीं ठाणे में हुए हादसे पर जानकारी देते हुए पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना संभवतः अधिक भीड़-भाड़ की वजह से हुई। जानकारी के मुताबिक हादसा उस वक्त हुआ जब ट्रेन दिवा और कोपर रेलवे स्टेशनों के बीच से गुजरते हुए कसारा जा रही थी। अधिकारी ने बताया कि व्यस्त समय के दौरान ट्रेन में अत्यधिक भीड़ थी और कई लोग ट्रेन के दरवाजे के पास खड़े थे। अचानक चलती ट्रेन से कम से कम 10 यात्री गिर गए।

उत्तर-पश्चिम में भीषण गर्मी का थर्ड डिग्री टॉर्चर!

● राजस्थान में हीटवेव का ऑरेंज अलर्ट, धूलभरी आंधी चलेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश का उत्तर पश्चिमी इलाका इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में हैं। मौसम विभाग ने सोमवार को राजस्थान में हीटवेव का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राज्य का श्रीगंगानगर रविवार को देश में सबसे ज्यादा गर्म रहा। यहां 47.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। विभाग के मुताबिक 11 जून तक बीकानेर संभाग में पारा 47 डिग्री तक पहुंच सकता है। इस बीच 30 से 40 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से धूल

भरी हवाएं चल सकती हैं। इसके अलावा पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में भी तापमान बढ़ सकता है। मानसून की बात करें तो यह अभी भी बिहार-पश्चिम बंगाल की सीमा पर अटका है। 15 जून तक इसके मध्य प्रदेश में पहुंचने की संभावना है। राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में हीटवेव का अलर्ट है। लू चल सकती है। केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी, असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश हो सकती है। गर्मी के इस थर्ड डिग्री टॉर्चर में लोगों का दिन के समय घर से बाहर निकलना दूभर नजर आ रहा। पिछले कुछ दिनों से पारा जिस तरह ऊपर जा रहा उससे आम जनजीवन अस्त व्यस्त है। इस बीच मौसम विभाग ने बड़ी भविष्यवाणी की है। विभाग ने बताया कि भीषण गर्मी से फिलहाल राहत के आसार नजर नहीं आ रहे।

हनीमून पर हत्या, पत्नी ही निकली सनम 'बेवफा'

किसी और से था प्यार इसलिए रची पति के मर्डर की साजिश

यूपी में मिली, प्रेमी राज कुशवाहा सहित 5 संदिग्ध हिरासत में

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदौर के राजा रघुवंशी की शिलॉन्ग में हुई हत्या के मामले में जिस तरह से खुलासे सामने आ रहे वो चौंकाने वाले हैं। ये पूरा मामला प्यार, शादी और धोखे का ऐसा कॉकटेल है जिसने सभी को झकझोर दिया है। पुलिस खुलासे में पत्नी सोनम रघुवंशी ही इस हत्याकांड की मुख्य मास्टरमाइंड के तौर पर सामने आई है। बताया जा रहा कि सोनम किसी और से प्यार करती थी। घरवालों ने उसकी शादी राजा से करवा दी। हालांकि, सोनम के मन में कोई और ही बसा हुआ था। पुलिस का आरोप है कि पत्नी सोनम ने ही राजा को रास्ते से हटाने के लिए ये साजिश रची। इस पूरे घटनाक्रम ने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया कि आखिर किस पर भरोसा करें। जब पत्नी ही अपने सुहाग की कातिल बन जाए तो शादी जैसे पवित्र रिश्ते पर कैसे भरोसा किया जाएगा। राजा रघुवंशी और सोनम की शादी 11 मई को इंदौर में बड़े धूमधाम से हुई थी। शादी के वीडियो में राजा और सोनम बेहद खुश नजर आ रहे। वो डांस करते दिख रहे। शादी के बाद सोनम ने ही हनीमून के लिए शिलॉन्ग की टिकट कराई थी। हालांकि, राजा रघुवंशी का हनीमून पर जाने का प्लान नहीं था लेकिन पत्नी की जिद के आगे वो तैयार हो गया। जानकारी ये भी आ रही कि सोनम ने वापसी को लेकर टिकट नहीं कराया था। मेघालय पहुंचने के बाद 23 मई को अचानक ही राजा रघुवंशी और सोनम लापता हो गए।

मेघालय डीजीपी बोलीं-

सोनम ने पति राजा की हत्या कराई- मेघालय डीजीपी इदाशीशा नोंग्रांग ने दावा किया कि पत्नी (सोनम) ने ही पेशेवर हत्यारों को सुपारी देकर मर्डर कराया। वहीं, मामले में 5 संदिग्धों को हिरासत में भी लिया गया है। राज कुशवाहा, विशाल चौहान को इंदौर जबकि आकाश राजपूत को इंदौर के पास और आनंद कुर्मी को बीना के बसाहरी गांव से पकड़ा गया। यूपी में ललितपुर के दिगवार गांव से आकाश लोधी को हिरासत में लिया गया। पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है। इंदौर में एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि तीन आरोपियों राज कुशवाह, विशाल चौहान और आकाश राजपूत को कल रात में हिरासत में लिया गया था।

पिता बोले-

मेघालय पुलिस ने सहयोग नहीं किया- सोनम के पिता देवी सिंह ने इस बात को मानने से साफ इनकार कर दिया है कि उनकी बेटी ने अपने पति की हत्या कराई होगी। उनका कहना है कि मेरी बेटी बेगुनाह है। मेघालय पुलिस ने उसे फंसाने के लिए झूठी कहानी गढ़ी। इंदौर के राजा रघुवंशी मर्डर केस में मेघालय पुलिस ने यूपी के ललितपुर से भी एक युवक को गिरफ्तार किया है। रविवार रात शिलॉन्ग पुलिस ने ललितपुर के कोतवाली महरौनी के दिगवार गांव में छापामारी की। पुलिस ने यहां आकाश लोधी (18) को हिरासत में लिया। पड़ोसियों के बताया- आकाश अपने पिता राघवेंद्र लोधी के साथ इंदौर में रहता है।

आतंकी तहव्वुर राणा को परिवार से बात करने की मिली परमीशन

● तिहाड़ जेल अधिकारी की मौजूदगी में सिर्फ एक बार फोन करेगा, मुंबई हमले का मास्टरमाइंड है

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर हुसैन राणा की याचिका पर आज दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में सुनवाई हुई। राणा को अपने परिवार से बात करने की परमिशन मिल गई है। मामले की सुनवाई स्पेशल एनआईए जज चंद्र जीत सिंह ने की। राणा फिलहाल अपने परिवार को केवल एक बार फोन कर सकेगा। यह कॉल जेल के नियमों के अनुसार और तिहाड़ जेल के अधिकारी की निगरानी में की जाएगी।

कोर्ट ने जेल अधिकारियों से रिपोर्ट भी मांगी है, जिसमें पूछा गया है कि क्या राणा को भविष्य में नियमित फोन कॉल की अनुमति दी जानी चाहिए। इससे पहले 24 अप्रैल को कोर्ट ने राणा की याचिका खारिज कर दी थी। राणा के वकील पीयूष सचदेवा ने कहा था कि एक विदेशी नागरिक के तौर पर उसे परिवार से बात करने का अधिकार है और उसके इलाज को लेकर परिवार चिंतित है। लेकिन एनआईए ने जांच का हवाला देकर इसका विरोध किया था, जिसके बाद कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी थी।

आरोपी राणा 9 जुलाई तक एनआईए की हिरासत में है। 28 अप्रैल को पिछली सुनवाई में उसकी कस्टडी 12 दिन के लिए बढ़ा दी गई थी। दरअसल, एनआईए ने 10 अप्रैल को तहव्वुर राणा को अमेरिका से भारत लाया था। उसका प्रत्यर्पण 'ऑपरेशन राणा' के तहत हुआ था।

स्वदेशी सैन्य उपकरणों में और बढ़ेगी आत्मनिर्भरता

● डीआरडीओ ने खोल दिया रास्ता, दुश्मनों के दांत होंगे खट्टे

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए बहुत बड़ा कदम उठाया है। डीआरडीओ ने 9 अलग-अलग तकनीकों को 10 सार्वजनिक और निजी कंपनियों को सौंपा है। इन तकनीकों में हथियार और जमीनी युद्ध में इस्तेमाल होने वाले सिस्टम शामिल हैं। इनमें माउंटेड आर्टिलरी गन और सीबीआरएन (केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर) रिकॉनेसेंस व्हीकल जैसे सिस्टम भी हैं। शनिवार को महाराष्ट्र के अहमदनगर के पास व्हीकल्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट में एक कार्यक्रम में यह समझौता हुआ। डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी कामत ने इस मौके पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान स्वदेशी आकाश मिसाइलों के शानदार प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा इंडस्ट्री को ऐसे हालात के लिए जल्द और बेहतर

क्षमता वाली योजना तैयार करनी चाहिए। डीआरडीओ के इस बड़े कदम के बारे में रक्षा मंत्रालय ने रविवार को जानकारी दी। इन तकनीकों में माउंटेड गन सिस्टम शामिल है।

भारतीय रक्षा उद्योग को ठोस बनाने पर सरकारी जोर

इसके अलावा 70 टन के टैंक ट्रांसपोर्टर की पूरी टेक्नोलॉजी ट्रेलर बीईएमएल समेत चार कंपनियों को दी गई है। यह तकनीक ट्रांसपोर्टर अर्जुन टैंक के लिए दिया गया है। एक मल्टी-पर्पस डिकॉन्टैमिनेशन सिस्टम की टेक्नोलॉजी भी दो रक्षा कंपनियों को दी गई है। इस कार्यक्रम में मौजूद डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी कामत ने कहा कि सरकार भारत के रक्षा उद्योग को मजबूत बनाना चाहती है। इसलिए वीआरडीई ने तकनीकों को स्वदेशी कंपनियों को दिया है।

● जरूरत के हिसाब से सैन्य उपकरणों के उत्पादन की तैयारी- वीआरडीई ने पुणे की सीओईपी टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के साथ भी एक समझौता किया है। इससे दोनों मिलकर नई तकनीकों पर काम करेंगे। समीर वी कामत ने डीआरडीओ और उसकी सहयोगी कंपनियों की तारीफ की है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान स्वदेशी सिस्टमों के अच्छे प्रदर्शन की चर्चा की। उन्होंने इंडस्ट्री को भविष्य की जरूरतों के लिए सर्ज कैपिसिटी की योजना बनाने के लिए कहा। इसका मतलब है कि जरूरत पड़ने पर उत्पादन को तेजी से बढ़ाने की क्षमता होनी चाहिए। इस कार्यक्रम में डीआरडीओ के महानिदेशक प्रतीक किशोर, वीआरडीई के निदेशक जी राममोहन राव, कई वैज्ञानिक और उद्योग जगत के लोग शामिल हुए। अब यह समझना आवश्यक है कि इन तकनीकों से क्या होगा। सीबीआरएन रिकॉनेसेंस व्हीकल एक ऐसा वाहन है जो केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर हमलों का पता लगा सकता है। माउंटेड गन सिस्टम एक तोप है, जिसे ट्रक पर लगाया जा सकता है। एंटी-टेररिस्ट व्हीकल आतंकवादियों के खिलाफ अभियान के लिए बनाया गया है। इसकी ट्रेक्नोलॉजी मेटलटेक मोटर बॉडीज प्राइवेट लिमिटेड को दी गई है। मल्टी-पर्पस डिकॉन्टैमिनेशन सिस्टम एक ऐसा सिस्टम है, जो दूषित जगहों को साफ कर सकता है।

कनाडा में खालिस्तानियों का पाकिस्तानी झंडा लगाकर प्रदर्शन

पीएम मोदी के जी-7 समिट में आने को लेकर हो गए ऐक्टिव

हरियाणा और पंजाब को खालिस्तान बनाने की मांग, लगाए नारे

अमृतसर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कनाडा दौरे से पहले खालिस्तानी प्रदर्शनकारी ऐक्टिव हो गए हैं। कनाडा में जगह-जगह खालिस्तान की मांग रखते हुए रैलियां निकाली जा रही हैं, भारत विरोध नारे लग रहे हैं और पीएम मोदी को बार-बार चैलेंज भी किया जा रहा है। रविवार को कनाडा के वेंकूवर में खालिस्तानी प्रदर्शनकारियों ने रैली निकाली। खास बात है कि इस रैली में ठीक से 50 खालिस्तानी प्रदर्शनकारी भी नहीं जुटे। प्रदर्शनकारियों की कार पर सबसे ऊंचा झंडा पाकिस्तान का लगा हुआ था। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पंजाब, हिमाचल और हरियाणा को खालिस्तान बनाने के नारे लगाए। पीएम मोदी को मारने और भारत के विरुद्ध भी नारेबाजी की गई। गौरतलब है कि आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू पहले ही दावा कर चुका है कि जब पीएम मोदी जी 7 समिट में शामिल होने कनाडा आएंगे तो उसके समर्थक उन्हें घेरेंगे। बता दें कि कनाडा में अल्बर्टा राज्य के कनानास्किस में 15 से 17 जून तक होने वाली समिट में शामिल होंगे।

संभल में मुस्लिम समुदाय ने खुद चलाया बुलडोजर

● मस्जिद और दरगाह के अवैध हिस्से को किया जमींदोज

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल में लगातार अवैध अतिक्रमण के क्रम में बुलडोजर एक्शन जारी है। यहां संभल के हयातनगर थाना बहजोई क्षेत्र रोड़ स्थित अजीजपुर-असदपुर में पीडब्ल्यूडी की सड़क पर अवैध धार्मिक निर्माण को खुद उसी समुदाय के लोगों ने तोड़ना शुरू कर दिया है। उनकी इस पहल की भरपूर प्रशंसा हुई है। सड़क निर्माण चौड़ीकरण मार्ग में अवैध मस्जिद,दरगाह और मंदिर के कुछ अंश को मुस्लिम व हिंदू समुदाय के लोगों ने आपसी सहमति से मिलजुलकर खुद ध्वस्त कर दिया। एक महीने पहले हटाने का आदेश दिया गया था।

पहले की सरकार भ्रष्टाचार-निगेटिविटी से भरी थी

● नड्डा बोले-मोदी सरकार में ये भावना बदल गई है ● नोटबंदी में लोग सरकार के सपोर्ट में लाइनों में लगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार के सोमवार को 11 साल पूरे हो गए। इस मौके पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सरकार के कामकाज, फैसलों और नीतियों पर भाजपा हेडक्वार्टर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा- नोटबंदी के दौरान विपक्षी पार्टियां जनता को भड़का रही थीं, लेकिन लोग सरकार के सपोर्ट में लाइनों में लगे थे। लोगों को मोदी जी की लीडरशिप पर भरोसा था। नड्डा ने कहा- देश ने मान लिया था कि अनुच्छेद 370 हटाना मुमकिन नहीं है, लेकिन मोदी सरकार ने कर दिखाया। जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव के दौरान 58.46 फीसदी वोटिंग हुई, वहीं विधानसभा चुनाव में 63 फीसदी वोट पड़े। यह बदलाव मोदी सरकार के साहसी फैसले का नतीजा है। यह एक पारदर्शी और भविष्य की सोच वाली सरकार है। 11 साल में विकसित भारत की नींव मजबूत हुई है। पहले की सरकार भ्रष्टाचार और निराशा के माहौल से भरी

थी। 2014 के बाद माहौल पूरी तरह बदल गया। आज लोग गर्व से कहते हैं, मोदी है तो मुमकिन है। पिछले 11 सालों में भारत दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं में 10वें से 5वें नंबर पर पहुंच गया है। नए आंकड़ों के मुताबिक, अब हम चौथे स्थान पर पहुंचने वाले हैं। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना है। विपक्ष को चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाने से पहले सोचना चाहिए। जब आप हिमाचल, पंजाब में जीतते हो तो सब ठीक है। जहां हारते हो, वहां धांधलेबाजी का आरोप लगाते हो। हर बार वे यही बात करते हैं कि इतने वोट जुड़ गए, उतने वोट जुड़ गए। ये कैसे सही है। मुझे याद है नोटबंदी के दौरान विपक्षी पार्टियां फायदा उठाने के लिए जनता को उकसा रही थीं। लेकिन भारत का आम आदमी बैंक के सामने घंटों खड़ा रहा और मोदी सरकार के फैसले का समर्थन किया। जब लीडरशिप पर भरोसा होता है, तो जनता समर्थन करती है। आप भूल गए होंगे, लेकिन मैं भूलता नहीं।

सिद्धारमैया बोले-

मोदी सरकार को जीरो नंबर - मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा,मीडिया प्रचार की वजह से मोदी ने सत्ता में 11 साल पूरे कर लिए हैं। मैं मोदी सरकार को जीरो नंबर दूंगा। जब वे गुजरात के सीएम थे, तब उन्होंने कहा था कि राज्यों को सेंट्रल टैक्स में 50 फीसदी हिस्सा मिलना चाहिए। जब वे पीएम बने तो उन्होंने क्या किया। कर्नाटक के साथ अन्याय हुआ है। जब हम भाजपा से पूछते हैं तो वे कहते हैं कि हम बदनामी कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

बेगूसराय के दियारा से 25 हजार का इनामी अपराधी गिरफ्तार

■ हत्या, आर्म्स एक्ट समेत 9 संगीन मामले थाने में दर्ज ; 2020 से फरार चल रहा था

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय के बलिया में गुप्त सूचना के आधार पर बिहार पुलिस और एसटीएफ ने बड़ी कार्रवाई की है। हत्या मामले में

5 साल से फरार चल रहे टॉप-10 में शामिल 25 हजार के इनामी अपराधी जीवेश कुंवर को दियारा इलाके से गिरफ्तार किया है। एसपी मनीष ने बताया कि सूचना मिली थी कि कुख्यात अपराधी दियारा स्थित अपने डेरा पर पहुंचा हुआ है। इनपुट के आधार पर बलिया डीएसपी नेहा कुमारी के नेतृत्व में पुलिस टीम, जिला आसूचना इकाई, एसटीएफ, एसओजी-3और चीता बल ने घेराबंदी कर एक संदिग्ध मौके से पकड़ा। पूछताछ में अपना नाम जीवेश कुंवर बताया। गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी, लेकिन वो बार-बार चकमा देकर फरार हो जाता था। अपराधी में हत्या, जानलेवा हमला, आर्म्स एक्ट समेत 9 संगीन अपराध के मामले दर्ज है। जिसमें से हत्या समेत 2 मामलों में 2020 से फरार चल रहा था। 6 अगस्त 2020 की देर रात अपने गांव में सच्चिदानंद मिश्र और उसके बेटे को गोलियों से भून दिया था। सच्चिदानंद की मौके पर ही मौत हो गई थी। इस मामले में दूसरे को फंसाने के लिए एक मजदूर की भी हत्या कर दी थी।

कपरपूरा आरओबी पर शटरिंग का काम पूरा, बांधी जा रही छड़

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। हाजीपुर-मुजफ्फरपुर एनएच 77 के बाईपास में बन रहे कपरपूरा रेल ओवरब्रिज (आरओबी) की ढलाई के पहले रविवार से लोहे की छड़ बांधने का काम शुरू किया गया। इसके पहले निर्माण कंपनी पटना हाईवे प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के लोगों ने शुक्रवार को शटरिंग का काम पूरा करा लिया। निर्माण कंपनी के मुख्य परियोजना प्रबंधक दीपक तिवारी ने बताया कि रेलवे से जैसे-जैसे ब्लॉक मिलता जा रहा है, कार्य को तेज गति से पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। यही कारण है कि महज दस दिनों में शटरिंग का काम पूरा कर रेनफोर्समेंट (छड़ बांधने) का काम भी एक चौथाई पूरा कराया जा चुका है। इसे 15 जून तक पूरा करा लेने का लक्ष्य है। इसके दो या तीन दिन बाद सड़क की ढलाई का काम शुरू किया जाएगा। इसे भी हर हाल में 20 जून के पहले पूरा करा लेने के लिए अधिक मानव संसाधन लगाकर काम कराया जा रहा है। बताया कि हर हाल में आरओबी के निर्माण काम 15 जुलाई तक पूरा कर सड़क को अगस्त के पहले सप्ताह में यातायात के लिए खोलने की तैयारी है। बताया कि दिन व रात दोनों पालियों में काम कराया जा रहा है। जाम से मिलेगी मुक्ति, बचेगा समय: इस आरओबी का निर्माण कार्य पूरा होने के साथ ही लोगों की चिरप्रतिक्षित मांग जल्द पूरा होने की संभावना जग गई है। इसके बन जाने से उत्तर बिहार के कई जिलों से राजधानी पटना आना जाना आसान हो जाएगा। पटना जाने वालों को चांदनी चौक से मधौल तक लगनेवाले जाम से मुक्ति मिल जाएगी। साथ ही पटना जाने के समय में कम से कम एक घंटे की कमी आएगी।

औरंगाबाद में पड़ोसियों ने बुजुर्ग को बेरहमी से पीटा

■ जादू-टोना का आरोप लगाकर हाथ तोड़ दिया, बाजार जाते समय घेरकर मारा

औरंगाबाद, एजेंसी। औरंगाबाद में जादू-टोना का आरोप लगाकर पड़ोसियों ने बुजुर्ग की बेरहमी से पिटाई कर दी। परिजनों ने गंभीर हालत में इलाज के लिए रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से डॉक्टरों ने सदर अस्पताल रेफर कर दिया। पीड़ित की पहचान जनेश्वर पासी(70) के तौर पर हुई है। घटना कुटुंबा थाना क्षेत्र के पिपरा बगही गांव की है। पीड़ित ने बताया, रविवार को घर से बाजार जाने के लिए निकला था। थोड़ी दूर आगे बढ़ने पर पड़ोसी शौकीन मिल गया। हॉकी स्टिक से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। मारकर मेरा हाथ तोड़ दिया। ग्रामीणों ने मेरी जान बचाई। मारपीट में शौकीन के साथ उसका दादा नरेश, अरविंद और चाची भी शामिल थी। नरेश के घर में कोई भी बीमार पड़ता है तो मुझ पर जादू टोना करने का आरोप लगाते हैं। जादू टोना के डर से ही शौकीन कुछ दिनों से घर से बाहर रह रहा था।

20 को पीएम करेंगे भागलपुर एसटीपी का उद्घाटन

भागलपुर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 20 जून को सीवान आने की संभावना है। इस दौरे पर कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास होगा। इस दौरे में 14 सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का शिलान्यास और आठ के उद्घाटन की योजना है। इसमें भागलपुर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट भी शामिल है। अभी एसटीपी से भागलपुर के कुल 43 छोटे-बड़े नालों को कनेक्ट भी नहीं किया जा सका है। हालांकि बिजली कनेक्शन की बाधा दूर हो गयी है। वरीय पदाधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद बिजली कनेक्शन का कार्य शुरू कर दिया गया है। अब तक बुडको ने एसटीपी का ड्राइ रन ही पूरा किया है, जबकि बिजली कनेक्शन के चक्कर में एसटीपी का ट्रायल अभी बाकी है।

बुडको (बिहार अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड) के कार्यपालक अभियंता अखिलेश प्रसाद सिंह ने बताया कि बिजली कनेक्शन मिलने के बाद निर्मित हिस्सों का ट्रायल शीघ्र ही शुरू किया जाएगा। जिसके बाद एसटीपी का उद्घाटन हो सकेगा। नालों को एसटीपी से कनेक्ट करने का कार्य भी तेज कर दिया गया है। भागलपुर में 45 एमएलडी (मिलियन लीटर प्रतिदिन) क्षमता वाला यह अत्याधुनिक एसटीपी 385 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है।

इसका निर्माण कार्य दिसंबर 2021 में शुरू हुआ था। बुडको ने उम्मीद जताई है कि जून 2025 तक एसटीपी में सभी निर्माण कार्य पूरे कर लिए जाएंगे। जिसके बाद प्रधानमंत्री इसका उद्घाटन कर सकते हैं। हालांकि, परियोजना को लेकर पहले कई बार समय-सीमाएं निर्धारित की गई थीं। जैसे मार्च 2025 और फिर अप्रैल 2025 के अंतिम सप्ताह तक इसे चालू करने की बात कही गई थी। लेकिन विभिन्न तकनीकी कारणों और अन्य बाधाओं के चलते परियोजना में लगातार विलंब होता रहा। परियोजना अपने मूल अनुमानित समय से काफी पीछे चल रही है। एसटीपी का मुख्य उद्देश्य भागलपुर शहर में बहने वाले छोटे-बड़े 43 नालों को, जो वर्तमान में बिना किसी उपचार के सीधे गंगा नदी में प्रवाहित हो रहे हैं, को एसटीपी से जोड़ना है। बुडको इन नालों को एसटीपी तक पहुंचाने के लिए एक विस्तृत नेटवर्क भी तैयार कर रहा है। बुडको के कार्यपालक अभियंता ने जानकारी दी कि दिसंबर 2025 तक भागलपुर एसटीपी अपनी पूरी क्षमता (45 एमएलडी) के साथ काम करना शुरू कर देगा। 43 नालों को प्लांट से जोड़ने की है योजना योजना के अनुसार शहर के नालों का पानी पहुंचाने के लिए 43 नाले का निर्माण किया जाना है। 13.7 किमी राइजिंग मेन पाइप बिछाया जाना है, जबकि 10.1 किमी ट्रंक सीवर लाइन का कार्य होना है। 6.3 किमी के नाले से शहर के 100 से ज्यादा छोटे- बड़े नालों को जोड़ा जाना है। इन सभी को 10 पंपिंग स्टेशन के माध्यम से सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट तक पहुंचाया जाना है।

बिहार के पहले डबल डेकर पुल पर 11 जून से दौड़ेंगी गाड़ियां

पटना के लोगों को मिलेगी बड़ी राहत

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना के अशोक राजपथ पर बने डबल डेकर पुल पर 11 जून से गाड़ियां दौड़ने लगेंगी। बिहार का यह पहला डबल डेकर पुल है। पटना के अत्यधिक व्यस्त अशोक राजपथ पर यातायात को सुगम बनाने और जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए कारगिल चौक से साइंस कॉलेज तक डबल-डेकर पुल का निर्माण किया गया है। डबल डेकर पुल की लंबाई 2.2 किमी और कैरिजवे की चौड़ाई 8.5 मीटर है। इसका पहला तल 1.5 किमी लंबा है, जो पटना कॉलेज से बीएन कॉलेज तक फैला होगा, जबकि दूसरा तल 2.2 किमी लंबा है, जो कारगिल चौक से साइंस कॉलेज तक है। फ्लाईओवर का ऊपरी तल गांधी मैदान से साइंस कॉलेज के तरफ जाने और नीचे का तल पटना कॉलेज से गांधी मैदान की तरफ आने के लिए बनाया गया है। 422 करोड़ की लागत से पुल का निर्माण किया गया है। पुल के पहले तल पर दो और दूसरे पर तीन संपर्क पथ का निर्माण होना है। साइंस कॉलेज के पास मेट्रो की ओर से विवि स्टेशन के लिफ्ट पीट का निर्माण किया जा रहा है।

यातायात का कम होगा दबाव : पुल के चालू होने से अशोक राजपथ, पीएमसीएच, पटना विश्वविद्यालय और साइंस कॉलेज के क्षेत्र में यातायात का दबाव कम होगा, जिससे छात्रों, मरीजों, व्यवसायियों और आम नागरिकों को सुविधा होगी। पटना के अलावा छपरा में भी डबल डेकर पुल का निर्माण किया जा रहा है।

आरा में मां-बेटी समेत 4 लोगों की बेरहमी से पिटाई, पड़ोसियों ने बचाई जान

भोजपुर, एजेंसी। आरा में पैसों के विवाद में एक युवक ने मां-बेटे समेत परिवार के चार लोगों की बेरहमी से पिटाई कर दी। लाठी-डंडे से जमकर पीटा। पड़ोसियों ने मामले को शांत कराया। घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में एडमिट कराया गया है। घटना नगर थाना के मनसा पांडेय बाग की है। घायलों की पहचान मां सोना देवी(70), बेटी सुमित्रा देवी(45), नाती अर्जुन कुमार(23) और ब्रजेश कुमार(18) के तौर पर हुई है। घायल अर्जुन ने बताया कि रविवार देर शाम मेरा छोटा भाई घर के बाहर खड़ा था। तभी नशे की हालत में एक लड़का आया। मेरे भाई से कहा कि 20 हजार रुपए दो। हम दोनों मिलकर शराब बेचेंगे। इस पर भाई ने कहा कि मेरे पास इतना पैसा नहीं है।

मना करने पर वो भड़क गया। गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर भाई को पीटने लगा। बीच-बचाव करने पहुंची मेरी मां और नानी को भी बेहरमी से मारा। मां के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। मेरा भी सिर फट गया। पड़ोसियों ने अस्पताल में भर्ती कराया। सदर अस्पताल में ऑन ड्यूटी डॉक्टर ने बताया कि महिला को सिर में चोट है। सभी को प्राथमिक उचार दिया गया है। पीड़ित परिवार ने मारपीट की लिखित शिकायत स्थानीय थाने में दी है।

भोजपुर में हथियार के साथ 2 अपराधी गिरफ्तार, तीसरा फरार

भोजपुर, एजेंसी। भोजपुर के शाहपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध हथियार के साथ बाइक सवार 2 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। एक देसी पिस्टल, 2 मैगजीन और 2 मोबाइल बरामद हुआ है। गिरफ्तारी आरा-बक्सर हाइवे पर स्थित ज्ञानस्थली स्कूल मोड़ के पास से हुई है। किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। रविवार शाम को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी। जिसके आधार पर थानाध्यक्ष रजनीकांत के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम ने घेराबंदी कर दो अपराधियों लल्लू यादव और शुभम को पकड़ लिया। तीसरा साथी मौके से भागने में कामयाब रहा। जिसकी तलाश की जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि फरार आरोपी के बारे में जानकारी मिली है। इन लोगों का मुख्य काम छिनतई है। तीनों को क्रिमिनल रिकॉर्ड रहा है। पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया है। तीनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ है।

पटना में कोरोना के 8 नए मरीज मिले, कुल संक्रमितों की संख्या 50 के पार

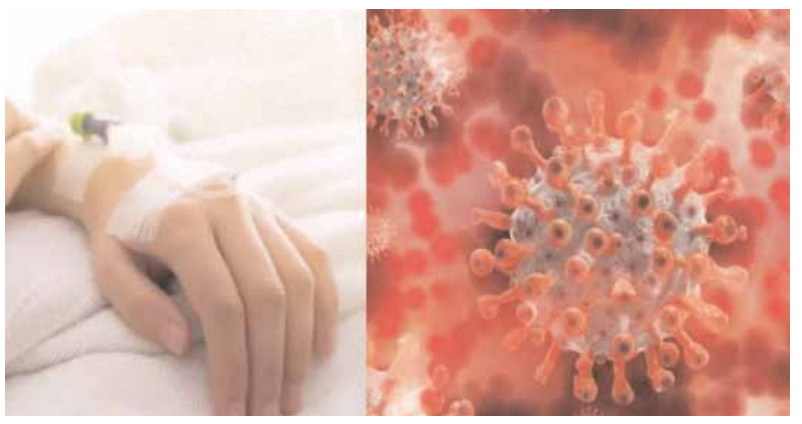

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना में कोरोना के आठ नए मरीज रविवार को मिले हैं। अब कुल संक्रमितों की संख्या 60 हो गई है। इनमें सक्रिय संक्रमितों की संख्या 39 है, जबकि 21 लोग कोरोना से पूरी तरह से ठीक हो गए हैं।सिविल सर्जन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार रविवार को पांच लोग निजी अस्पताल और लैब में जांच कराने के बाद संक्रमित पाए गए हैं। वहीं दो मरीजों की जांच एम्स पटना में और एक की एनएमसीएच में हुई थी। सर्दी, खांसी, बुखार और सांस लेने में परेशानी के लक्षण के बाद पीड़ितों ने कोरोना की जांच कराई थी। नए पीड़ित नेऊरा, दानापुर, दीघा, राजीवनगर, कुम्हरार और कंकड़बाग के हैं। सिविल सर्जन डॉ. अविनाश ने बताया कि किसी की मौत कोरोना से नहीं हुई है। अबतक मिले कोरोना पीड़ितों में आधे से ज्यादा निजी लैबों में हुई जांच में ही सामने आए हैं। एम्स, एनएमसीएच की जांच में 21-22 लोग ही सक्रमित पाए गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 6,133 हो गई है। देश में कोरोना संक्रमण से केरल सबसे अधिक प्रभावित राज्य है। इसके बाद गुजरात, पश्चिम बंगाल और दिल्ली का स्थान है। चिकित्सकों के मुताबिक, अधिकतर मरीजों में हल्के लक्षण दिख रहे हैं, जो घर पर ही उपचार के बाद ठीक हो रहे हैं। इस साल जनवरी के बाद से देश में कोविड-19 से 65 लोगों की मौत होने की सूचना है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं में आया नया उत्साह : देविका

गया, एजेंसी। लोकसभा के प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी के गया आगमन से कार्यकर्ताओं में नया उत्साह आया हैं। खास कर महिला जनसंवाद के बाद महिला कांग्रेस कार्यकर्ता काफी उत्साहित है। उक्त बातें पूर्व महासचिव डॉ. देविका सरयार मिश्र ने कहीं। उनके साथ पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. गगन मिश्र भी रहे। उन्होंने कहा कि गया आगमन के दौरान वे राहुल गांधी से मुलाकात की। महिला जन संवाद में शामिल भी हुयी और उन्हें सुनने का मौका मिला। उनके साथ संवाद के बाद महिलाएं बहुत उत्साहित दिखीं और उनके अंदर आत्मविश्वास का संचार हुआ। महिला कार्यकर्ताओं को पूरा विश्वास है कि इस बार आधी आबादी को गया जिला में प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा।

राजगीर से 2 विदेशी पर्यटकों का सुरक्षित रेस्क्यू: रास्ता भटककर जंगली इलाके में पहुंच गए थे

हेल्प मी की आवाज सुनकर पुलिस टीम पहुंची

नालंदा, एजेंसी। राजगीर के रत्नागिरी पहाड़ के जंगली इलाके में फंसे दो विदेशी पर्यटकों का प्रशासन ने सुरक्षित रेस्क्यू किया है। दोनों बौद्ध पर्यटक हैं। जो बौद्ध सर्किट स्थलों के भ्रमण पर निकले थे। लौटते समय रास्ता भटककर जंगली इलाके में चले गए।

राजगीर देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं

रेस्क्यू किए गए विदेशी पर्यटकों की पहचान आइरिस के जेम्स पिगोट एवं बेन्जुएला निवासी राफेल रायन के रूप में की गई है।रेस्क्यू टीम में राजगीर डीएसपी सुनील कुमार सिंह, थानाध्यक्ष रमन कुमार, दरोगा धर्मेश गुप्ता, प्रवीण प्रताप सिंह और बीएसएपी के जवान शामिल थे। विदेशी पर्यटकों की पहचान आइरिस के जेम्स पिगोट और वेनेजुएला निवासी राफेल रायन के तौर पर हुई है। अंधेरे में पहाड़ी क्षेत्र में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाना अत्यंत चुनौतीपूर्ण कार्य था। जिसे पुलिस टीम ने सफलतापूर्वक अंजाम दिया। राजगीर एक प्रमुख बौद्ध तीर्थस्थल और पर्यटन केंद्र है। जहां देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं।

जंगल से हेल्प मी की आवाज आ रही थी

डीएसपी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि रविवार शाम 8 बजे के करीब थाना प्रभारी को स्थानीय लोगों से सूचना मिली कि जंगली क्षेत्र में 2 पर्यटक फंस गए हैं। हेल्प मी की आवाज आ रही है। सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीम का गठन किया गया। मौके पर पहुंचकर दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला।

अपराधियों में कानून का डर नहीं है दिनदहाड़े हत्या हो रही : अरुण यादव

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर में आरजेडी के प्रदेश प्रवक्ता अरुण यादव ने बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी फादर ऑफ क्राइम बन चुकी है। बिहार में अपराधियों का बोलबाला है। कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गई है।

अपराधियों में प्रशासन का खौफ खत्म हो चुका है। दिनदहाड़े हत्या हो रही है, सरकार के लोग चुप हैं। अपराध पर सत्तापक्ष से जुड़े नेताओं के मुंह में दही क्यों जम जाती है। आरजेडी प्रवक्ता ने कहा, बिहार में 17 और केंद्र में 11 वर्षों से एनडीए की सरकार है। फिर भी महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अपराध, गरीबी और पलायन चरम पर है। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक नीतीश-भाजपा शासनकाल में राज्य में अब तक 65 हजार से ज्यादा हत्याएं, 30 हजार से अधिक बलात्कार, 1 लाख से अधिक अपहरण और तीन लाख से ज्यादा चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। बीजेपी को बताना चाहिए कि यह कौन सा सुशासन है। जिसमें अपराधी बेलगाम और आम जनता असुरक्षित है।

नीति आयोग की रिपोर्ट का भी किया जिक्र

अरुण यादव ने कहा कि नीति आयोग की रिपोर्ट ने नीतीश-भाजपा सरकार की असलियत उजागर कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक शिक्षा, स्वास्थ्य और औद्योगिक विकास के मामले में बिहार देश में सबसे पीछे है। प्रति व्यक्ति आय और निवेश के मामले में भी बिहार फिसड्डी राज्य बना हुआ है। एनडीए के नेता सच्चाई से डरते हैं। जनता को गुमराह करने के लिए बयानबाजी करते रहते हैं। अब जनता इनके बहकावे में नहीं आने वाली। इस बार विधानसभा चुनाव में जनता वोट की चोट से एनडीए सरकार को सत्ता से बाहर कर देगी। तेजस्वी यादव के नेतृत्व में नई सरकार बनाएगी।

ऑपरेशन सिंदूर के कटआउट के साथ प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत

भागलपुर, एजेंसी। रविवार को भागलपुर पहुंचे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल का महिलाओं ने ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े कटआउट के साथ स्वागत किया। महिला मोर्चा की निवर्तमान जिला अध्यक्ष श्वेता सिंह के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष के काफिले पर फूल वर्षा कर शंख बजाकर स्वागत किया।

नालंदा में सब्जी प्रसंस्करण एवं विपणन योजना का शिलान्यास

मंत्री प्रेम कुमार बोले- 534 प्रखंडों में वेजिटेबल मार्केटिंग फेडरेशन का गठन हुआ है, किसानों को होगा फायदा

नालंदा, एजेंसी। नालंदा में राज्य सब्जी प्रसंस्करण एवं विपणन योजना के तहत आधारभूत संरचना निर्माण कार्य का शिलान्यास सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार ने किया। गिरियक, वेन और राजगीर के तीन ब्लॉक में 1.14 करोड़ रुपए की योजनाओं का शिलान्यास हुआ है।

इसमें 10,000 वर्गफुट भूमि पर निर्माण, 10 टन क्षमता का कोल्ड स्टोरेज, 20 टन क्षमता का गोदाम, सब्जियों की ग्रेडिंग, कार्यालय और पार्किंग शामिल है। मंत्री प्रेम कुमार ने कहा, पूरे राज्य में 70 स्थानों पर ऐसी सुविधाएं प्रदान की गई है, जिनमें से 25 परियोजनाएं अंतिम चरण में हैं। अगले महीने तक ये तैयार हो जाएगी। 5 दिन पहले बिहार से 1500 किलो(15 क्विंटल) सब्जी दुबई भेजी गई थी। इसमें बैंगन, अरवी समेत कई सब्जियां शामिल थीं। जर्दालु आम और केला भी निर्यात की गई थी। दुबई से 5 टन सब्जी की डिमांड आई है।

नेपाल से 10 टन की मांग आने की संभावना है। बिहार में बड़े पैमाने पर सब्जी का उत्पादन होता है। लेकिन बाजार भाव न मिलने के कारण किसानों को उचित दाम नहीं मिल पाता। सबसे चिंताजनक बात यह है कि लगभग 30त्न सब्जी बर्बाद हो जाती है। इस गंभीर समस्या को देखते हुए सहकारिता विभाग ने स्टेट वेजिटेबल मार्केटिंग फेडरेशन का गठन किया है। राज्य के 534 प्रखंडों में से 500 में समितियों का गठन कर लिया गया है। 23 जून तक यह काम पूरा कर लिया जाएगा।

4.36 लाख किसानों के खातों में रुपए ट्रांसफर

मंत्री प्रेम कुमार ने आगे कहा, बिहार सरकार पहले से ही धान और गेहूं की खरीद में सफल रही है। हाल ही में खरीफ सीजन में 40 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई। इस दौरान 9000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि 48 घंटे के भीतर 4.36 लाख किसानों के खातों में ट्रांसफर किए गए।

संक्षिप्त समाचार

डायल-112 ने देशी कट्टा बरामद किया

बीएनएम : केसरिया। बिजधरी थाना क्षेत्र के जगीराहां से शनिवार को एक देशी कट्टा बरामद किया गया है। बताया जाता है कि डायल 112 को सूचना मिली कि जगीराहां में दो पक्षों में मारपीट हो रही है। सूचना पाकर जब डायल 112 घटनास्थल पर पहुंची तो वहां से एक देशी कट्टा बरामद की। हालांकि पुलिस को देख एक पक्ष भाग खड़ा हुआ। इस मामले में एक पक्ष के सुभाष राय ने थाना में आवेदन देकर दूसरे पक्ष के सात लोगों को आरोपित किया है। बताया है कि दूसरे पक्ष के लोग जान मारने की नीयत से दरवाजे पर आए थे। इधर, थानाध्यक्ष विकास आनंद ने बताया कि मामले में एक पक्ष के द्वारा एफआईआर दर्ज करायी गई है। एक देशी कट्टा बरामद किया गया है। मामले में अग्रतर कार्रवाई की गई है।

नौकरी दिलाने के नाम पर बंधक बनाने वाले एनामुल हक की संपत्ति होगी कुर्क

बीएनएम। मोतिहारीः पूर्वी चंपारण । देश-विदेश के हजारों युवाओं को रोजगार के नाम पर ठगी एवं उगाही करने वाला डीवीआर कम्पनी का सरगना एनामुल हक पर पुलिस ने सख्ती बरतना शुरू कर दिया है।इसको लेकर रविवार को रक्सौल पुलिस पूरे दलबल और गाजे बाजे के साथ एनामुल हक के घर रामगढ़वा थाना क्षेत्र के बेला गांव पहुंची। पुलिस ने एनामुल के घर के बाहर कुर्की से सबंधित इश्तेहार चस्पाया और माइकिंग कर गाजे बाजे के साथ आसपास के लोगो को उंसके फरार होने एवं सम्पति कुर्क करने की जानकारी दी। इश्तेहार के माध्यम से पुलिस ने बताया कि नौकरी के नाम पर ठगी करने वाला 25 हजार का इनामी आरोपी एनामुल हक अगर एक सप्ताह के अंदर कोर्ट में सरेंडर नहीं करता है तो उसके सभी सम्पति को कुर्की जब्त कर लिया जाएगा। पुलिस के इस कारवाई के बाद एनामुल के सहयोगी रक्सौल के सफेदपोशों की होश उड़ गए है। एनामुल हाल ही में एक नेता के साथ पटना देखा गया था।ऐसी चर्चा है,कि एनामुल की गिरफ़्तारी के बाद ठगी कंपनी में शामिल कई सफेदपोशों की राज का पर्दाफाश होगा। उल्लेखनीय है,कि पिछले 28 मार्च को एसएसबी और रक्सौल पुलिस ने संयुक्त रूप से ऑपरेशन चलाकर रक्सौल शहर के मौजे, कौड़िहाड,कोईरिया टोला , सैनिक रोड, नागा रोड , कॉलेज रोड व सभ्यता नगर समेत कई जगहो छापेमारी करते हुए 568 बच्चें को मुक्त कराया था। जिसमे 79 नाबालिग बच्चे और 4 लड़कियां शामिल थी।

सदर अस्पताल में जच्चा-बच्चा किट का वितरण

बीएनएम। भागलपुर । बिहार सरकार द्वारा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सशक्त बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई पहल के तहत अब प्रसव के पश्चात महिलाओं को जच्चा-बच्चा किट उपलब्ध कराया जा रहा है। इस किट में जरूरी दवाइयों के साथ-साथ पोषण युक्त आहार और साफ-सफाई की सामग्रियां शामिल हैं,जिससे नवजात शिशु और माताओं को बेहतर देखभाल मिल सके। इसी योजना के अंतर्गत सोमवार को भागलपुर सदर अस्पताल में कई नवप्रसुता महिलाओं को यह किट प्रदान किया गया। कार्यक्रम में सदर अस्पताल प्रभारी डॉ. राजू कुमार और अस्पताल प्रबंधक आशुतोष कुमार ने महिलाओं को किट सौंपा और इसके महत्व की जानकारी दी। अस्पताल प्रभारी डॉ राजू कुमार ने बताया कि यह योजना सरकार की जनस्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके माध्यम से राज्य भर में प्रसव के बाद महिलाओं को समुचित पोषण और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। लाभान्वित महिला मुस्कान ने सरकार की इस पहल की सराहना की और कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को काफी सहूलियत मिलेगी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बीएलओ और अधिकारियों के साथ चुनावी तैयारी को लेकर की समीक्षा

बीएनएम।अररिया। बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होना है और चुनाव की तैयारी में निर्वाचन विभाग पूरी तरह से जुट गया है।इसी कड़ी में सोमवार को बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल अररिया पहुंचे और समाहरणालय स्थित परमान सभागार में जिले के सभी बीएलओ के साथ जिला निर्वाचन कार्य में लगने वाले पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मीटिंग की और ससमय पूरी तरह से चुनाव कार्य को पूरा कर लेने के निर्देश दिया। मीटिंग शुरू होने से पहले मुख्य निर्वाचन अधिकारी का डीएम अनिल कुमार और एसपी अंजनी कुमार ने बुके और प्लांट प्रदान कर स्वागत किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन से पूर्व तैयारी को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा करते हुए मतदाता सूची पुनरीक्षण,नए मतदाताओं,मतदाताओं के मौत को लेकर मतदाता सूची से नाम विलोपित करने सहित ईवीएम, वीवीपैट अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मौके पर डीएम अनिल कुमार,एसपी अंजनी कुमार,वरीय उप समाहर्ता राजमोहन झा,एएसपी रामपुकार सिंह,फारबिसगंज एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा,उप विकास आयुक्त रोजी कुमारी,एसडीएम रंजीत रंजन समेत सभी विभागों के वरीय अधिकारी और जिले भर के बीएलओ शामिल थे।

टोटो पलटने से एक साल के बच्चें की मौत, एक ही परिवार के छह लोग घायल

बीएनएम। नालंदा । नालंदा जिले के थरथरी थाना क्षेत्र अंतर्गत मेहतरवां मोड़ के पास सोमवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक वर्ष के मासूम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि टोटो पर सवार एक ही परिवार के छह सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है,जहां से बेहतर इलाज के लिए उन्हें बिहारशरीफ सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। चे सभी लोग जुनियार गांव से एक विवाह समारोह में शामिल होकर टोटो से अपने घर रहुई थाना अंतर्गत खिदरचक गांव लौट रहे थे। इसी दौरान जैसे ही टोटो मेहतरवां मोड़ के पास पहुंचा टोटो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में खिदरचक निवासी वीणा देवी धर्मवीर राम, टोटो चालक विजय राम, उपेन्द्र राम, अनिता देवी और सिरसिया बिगहा निवासी आशा देवी गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, धर्मवीर राम का एक वर्षीय पुत्र इस हादसे में मौके पर ही काल के गाल में समा गया। सूचना मिलते ही थरथरी थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

स्वस्थ रहने के लिए छात्रों को लेना चाहिए पौष्टिक भोजन : नीरज कौशिक

बीएनएम। भागलपुर । सैनिक स्कूल गणपतराय सलारपुरिया सरस्वती विद्या मंदिर नरगाकोठी चंपानगर भागलपुर में भारती शिक्षा समिति एवं शिशु शिक्षा प्रबंध समिति के तत्वावधान में चल रहे नवीन आचार्य प्रशिक्षण वर्ग, सेवा स्थायित्व वर्ग एवं कार्यरत आचार्य प्रशिक्षण वर्ग को संबोधित करते हुए सोमवार को औरंगाबाद सरस्वती विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य नीरज कुमार कौशिक ने कहा कि तनाव प्रबंधन एक सतत प्रक्रिया है। स्वस्थ जीवन शैली अपनाने और छात्रों को तनाव से निपटने के लिए उचित रणनीतियां अपनानी चाहिए। स्वस्थ रहने के लिए छात्रों को पौष्टिक भोजन लेना चाहिए और अनावश्यक वसा, चीनी का सेवन कम करना चाहिए। नियमित योग, पैदल चलना या दौड़ना तनाव कम करने में मदद करता है। छात्रों को पर्याप्त नींद में सोना चाहिए। अपनी रुचियां में समय बिताना चाहिए और स्वयं को खुश रखने के लिए समय निकालना चाहिए। आरा सरस्वती विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य संजीव झा ने कहा कि हॉलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड एक ऐसा रिपोर्ट कार्ड है, जो 360 डिग्री मूल्यांकन के माध्यम से छात्रों का संपूर्ण विकास मापता है। इसके माध्यम से छात्रों के संज्ञानात्मक, भावात्मक, सामाजिक -भावनात्मक और मानो प्रेरक क्षेत्र का विस्तृत मूल्यांकन होता है। 360 डिग्री मूल्यांकन शिक्षक, छात्रों के मित्र, अभिभावक एवं स्वयं छात्र द्वारा किया जाता है। संचालन एवं अतिथि परिचय वर्ग के उप प्रधानाचार्य सतीश कुमार सिंह द्वारा किया गया।

भूमि विवाद में ट्रेक्टर से कुचल कर की वृद्ध की हत्या, पांच हिरासत में, ट्रैक्टर जप्त

बीएनएम। मोतिहारी

हरसिद्धि। कनछेदवा पंचायत के कनछेदवा गांव में सोमवार को भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों में हुई हिंसक झड़प में एक 62 वर्षीय सुरेंद्र कुशवाहा की मौत हो गई। घटना की पुष्टि करते हुए अरेराज अनुमंडल के पुलिस पदाधिकारी रंजन कुमार ने बताया कि मारपीट की घटना में सुरेंद्र कुशवाहा गंभीर रूप से घायल हो गए थे और इलाज के दौरान रास्ते में उनकी मौत हो गई। डीएसपी रंजन कुमार ने बताया कि इस मामले में पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने जिस ट्रैक्टर से खेत जोता जा रहा था, उसे भी जप्त कर लिया है। थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने जानकारी दी कि मृतक को पहले हरसिद्धि पीएचसी, फिर मोतिहारी सदर अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन हालत बिगड़ने पर रहमानिया हॉस्पिटल ले जाते समय रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि परिजनों की ओर से अभी तक कोई लिखित आवेदन नहीं मिला है, आवेदन मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। फिलहाल अनुसंधान जारी है। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया कि गांव के ही सुधांशु कश्यप उर्फ लक्ष्मीकांत सिंह से जमीन को लेकर विवाद था, जिस पर व्यवहार न्यायालय, अरेराज में मामला लंबित है। आरोप है कि विपक्षीगण कोर्ट के आदेश की अवहेलना कर जबरन खेत जोतने लगे। सूचना मिलने पर सुरेंद्र कुशवाहा खेत पर पहुंचे तो उनके साथ विपक्षीगण व उनके समर्थकों के द्वारा मारपीट की गई और ट्रैक्टर से कुचलकर उनकी हत्या कर दी गई। परिजनों का यह भी कहना है कि मौके पर पहुंचे अन्य परिजनों के साथ भी मारपीट की गई, जिसमें कई लोग घायल हो गए। पुलिस अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। मृतक का अंतिम संस्कार पुलिस की निगरानी में किया गया।

शत्रुधन प्रसाद यादव निर्विरोध चुने गए राजद के प्रखंड अध्यक्ष

बीएनएम। मोतिहारी

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के मेहसी प्रखंड अध्यक्ष पद पर शत्रुधन प्रसाद यादव को एक बार फिर निर्विरोध चुना गया। यह चुनाव कोठियां स्थित महेंद्र चौक के निकट संपन्न हुआ, जहां वरिष्ठ राजद नेता इमाम हसन कुरैशी ने अध्यक्ष पद के लिए उनका प्रस्ताव रखा। प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया। श्री यादव पिछले 25 वर्षों से इस पद पर लगातार सेवा देते आ रहे हैं। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दी और उनके नेतृत्व की सराहना की। इस अवसर पर चुनाव अधिकारी के रूप में सोनू पाण्डे की उपस्थिति रही। उनके साथ अरुण कुशवाहा, युवा जिला अध्यक्ष नुरुल होदा, सभी पंचायत अध्यक्ष एवं राजद के सक्रिय कार्यकर्ता मौजूद थे। बधाई देने वालों में रिजवान अहमद, रामपुकार चौरसिया, विश्वनाथ राय, विधिलाल सहनी, शिवजी राय, दिनेश कुशवाहा, लोहा सिंह, कयूम खान, अजीमुल्ला कुरैशी, और रज़ा क़ुरैशी सहित कई गणमान्य लोग शामिल थे।

रत्नागिरी पर्वत के घने जंगलों में फंसे विदेशी पर्यटक को पुलिस ने रेस्क्यू कर बचाया

बीएनएम। नालंदा,बिहारशरीफ

नालंदा जिले के पयर्टक स्थल राजगीर स्थित रत्नागिरी पर्वत के घने जंगलों में रास्ता भटकने से जंगल में फंसे दो विदेशी पर्यटकों को रविवार देर रात राजगीर पुलिस ने चलाए गए एक त्वरित रेस्क्यू ऑपरेशन के माध्यम से सुरक्षित बचा लिया। रात्रि करीब 8:00 बजे शांति स्तूप पर प्रतिनियुक्त बीएसएपी जवान द्वारा राजगीर थाना प्रभारी को सूचना दी गई कि रत्नागिरी पहाड़ की ओर से हेल्प मी हैलो और सीटी जैसी आवाजें आ रही हैं। सूचना मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में एक त्वरित रेस्क्यू टीम गठित कर मौके पर रवाना की गई।करीब दो घंटे की मशक्कत और जंगल में गहन सर्च के बाद दोनों विदेशी पर्यटकों को सुरक्षित ढूंढ निकाला गया और थाना लाया गया। पूछताछ में पर्यटकों ने बताया कि वे बौद्ध धर्म से प्रभावित होकर बौद्ध सर्किट स्थलों के भ्रमण पर निकले हैं। रविवार को वे शांति स्तूप देखने रोपवे से ऊपर गए थे और वहां से अशोक पथ की ओर चले गए। लौटते समय वे रास्ता भटक कर जंगल में खो गए।पुलिस ने उन्हें थाना में प्राथमिक पूछताछ व सत्यापन के बाद उनके ठहरने के स्थान "वर्मी टेम्पल" तक सुरक्षित पहुंचाया। फंसे हुए विदेशी पर्यटकों में आयरलैंड के नागरिक जेम्स पिगॉट तथा वेनेजुएला के नागरिक राफेल रायोन है। रेस्क्यू टीम मे सुनील कुमार सिंह, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, राजगीर,रमण कुमार, पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष, राजगीर,धर्मेश गुप्ता, पुलिस अवर निरीक्षक, राजगीर,प्रवीण प्रताप सिंह, पुलिस अवर निरीक्षक, राजगीर तथा बीएसएपी के सशस्त्र जवान शामिल थे।

अपराधियों ने एक ही परिवार के तीन लोगों को मारी गोली, मां-बेटी की मौत

बीएनएम। पटना

आलमगंज थाना क्षेत्र के न्यू अरफाबाद कॉलोनी में रहने वाली नालंदा चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल (एनएमसीएच) की रिटायर्ड नर्स और उनकी बेटी की सोमवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई। अपराधियों ने नर्स के पति को भी गोली मारी है, जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गये हैं। उनको एनएमसीएच में भर्ती करवाया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। राजधानी पटना में बेखौफ अपराधियों की गोली से नालंदा चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल (एनएमसीएच) की सेवानिवृत नर्स महालक्ष्मी देवी (61) और उसकी पुत्री संथाली कुमारी (22) की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि उनके पति धनंजय मेहता घायल हो गये। घायल धनंजय मेहता को एनएमसीएच में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। धनंजय मेहता को तीन गोलियां लगीं, जिसमें दो पैर में और एक हाथ में लगी है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिये भेज दिया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है। दिनदहाड़े हुयी इस वारदात के बारे में स्थानीय लोगों ने बताया कि कुछ अज्ञात हमलावर मकान में घुसे और ताबड़तोड़ गोलियां चलाने लगे। घटना के बाद पूरे मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने दहशत फैल गयी।उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी। घटना की सूचना मिलते ही आलमगंज थाना पुलिस और पटना सिटी के एएसपी अतुलेश झा मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल को सील कर जांच शुरू कर दी। फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी और डॉग स्क्वायड की टीमें भी मौके पर पहुंच गईं। आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच भी शुरू कर दी गई है, ताकि हमलावरों की पहचान हो सके। पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस मामले में ठोस सुराग मिलने की उम्मीद है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को इस गोलीबारी के पीछे आपसी रंजिश का आशंका है। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हमलावरों का मेहता परिवार से क्या विवाद था? पुलिस परिवार के रिश्तेदारों और पड़ोसियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस का मानना है कि यह सुनियोजित हमला था, जिसके पीछे कोई पुराना विवाद हो सकता है। आलमगंज थाना अध्यक्ष राहुल ठाकुर ने बताया कि पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। अभी इस मामले में कुछ भी कहना सही नहीं होगा। जल्द ही पूरे मामले का उद्भेदन कर दिया जाएगा।

गोविन्दगंज विधानसभा स्तरीय संगठनात्मक समीक्षा बैठक का सफल आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

महंगाई, बेरोजगारी और अपराध के खिलाफ कांग्रेस का बूथ स्तर पर जन-जागरूकता अभियान

सोमवार को जिला के गोविन्दगंज विधानसभा अंतर्गत बलहा कोल्ड स्टोर परिसर, अरेराज में कांग्रेस पार्टी की एक महत्त्वपूर्ण संगठनात्मक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी (एआईसीसी) के सचिव एवं बिहार प्रभारी सचिव सुशील कुमार पाशी के नेतृत्व में संपन्न हुई। उक्त बैठक को संबोधित करते हुए श्री पाशी ने कहा कि आज बिहार में महंगाई, बेरोजगारी और अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं, जबकि सरकार जनहित की समस्याओं को लेकर पूरी तरह असंवेदनशील बनी हुई है। ऐसी स्थिति में कांग्रेस पार्टी जनता की आवाज को बुलंद करते हुए हर गांव, हर टोला और हर घर तक अपनी जनपक्षीय नीतियों को पहुंचाने हेतु बूथ स्तर तक सशक्त जन-जागरूकता अभियान चला रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि INDIA गठबंधन के तहत आने वाले चुनावों में पूर्वी चम्पारण जिले की 12 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस मजबूत स्थिति में रहेगी। "कांग्रेस सिर्फ सत्ता का माध्यम नहीं है, यह सामाजिक न्याय, समानता, और संविधान की रक्षा की विचारधारा है। हम सभी शोषित, वंचित, गरीब और मेहनतकश तबकों को उनका हक़ दिलाने के लिए कटिबद्ध हैं।" महिला, दलित, महादलित, पिछड़ा, अतिपिछड़ा के लिए कांग्रेस के संकल्पः

- संविधानिक अधिकारों की रक्षा – आरक्षण को मजबूती, पदोन्नति में आरक्षण लागू करना।
- राजनीतिक भागीदारी बढ़ाना – पंचायत से संसद तक इन वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करना।
- अर्थिक सशक्तिकरण – स्वरोजगार योजनाओं में प्राथमिकता, विशेष सहायता पैकेज।
- शिक्षा के अवसर – मुफ्त कोचिंग, छात्रवृत्ति, हॉस्टल निर्माण एवं तकनीकी शिक्षा में प्रवेश।
- महिलाओं के लिए विशेष अधिकार योजना – सरकारी नौकरियों और स्वरोजगार में आरक्षण, महिला सुरक्षा के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट।

कांग्रेस की 7 प्रमुख प्राथमिकताएँ

- जन न्याय योजना – प्रत्येक गरीब परिवार को न्यूनतम आय की गारंटी।
- रोजगार का अधिकार – शहरी मनरेगा और रोजगार केंद्र की स्थापना।
- कृषि की पुनर्रचना – खेती को लाभकारी बनाना, बीमा और बाजार की गारंटी।
- स्वास्थ्य का अधिकार – हर व्यक्ति को मुफ्त इलाज, पंचायत स्तर पर हेल्थ वैन।
- महिला सशक्तिकरण मिशन – 50% भागीदारी, स्वरोजगार और सुरक्षा का मॉडल।
- दलित-पिछड़ा न्याय आयोग – हर जिले में शिकायत निवारण केंद्र।
- संविधान सुरक्षा अभियान – हर गाँव, हर मोहल्ले तक जागरूकता कार्यक्रम। "यह लड़ाई सत्ता की नहीं, समाज के सम्मान की है। हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक हर महिला को न्याय, हर दलित को सम्मान, हर पिछड़े को अवसर और हर गरीब को अधिकार नहीं मिल जाता।" इस बैठक में कांग्रेस जिलाध्यक्ष ई. शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय ने कहा कि आज की बैठक में प्रदेश प्रभारी सचिव द्वारा दिए गए मार्गदर्शन और रणनीतियों से कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा मिली है। इन रणनीतियों को ज़मीनी स्तर पर लागू कर बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत किया जाएगा और जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता संघर्षशील रहेंगे। इस अवसर पर एआईसीसी के सक्रिय साथी अभीनव संगम, युवा कांग्रेस प्रभारी ओमप्रकाश कुशवाहा, "माई बहिन मान" योजना के जिला प्रभारी भरत शुक्ला, वरिष्ठ नेता शैलेन्द्र कुमार शुक्ला, प्रो. विजय शंकर पाण्डेय, सतेन्द्र नाथ तिवारी, बजेन्द्र तिवारी, अनिल कुमार सिंह सहित अनेक वरिष्ठ कांग्रेसजन, पंचायत एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी तथा सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में संगठन विस्तार, बूथ गठन, चुनावी तैयारी, जनसंपर्क अभियान और केंद्र एवं राज्य सरकार की नाकामियों को लेकर रणनीतिक चर्चा की गई। सभी पदाधिकारियों ने एकजुट होकर आगामी चुनावों में कांग्रेस को मजबूती प्रदान करने का संकल्प लिया।

मनरेगा को लेकर की गई समीक्षात्मक बैठक

बीएनएम। मोतिहारी

सोमवार को उप विकास आयुक्त के द्वारा शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में डीआरडीए मोतिहारी के सभी कनीय अभियंता, सभी पंचायत तकनीकी सहायक, सहायक अभियंता और कार्यपालक अभियंता के साथ मनरेगा की समीक्षा की गई। सभी तकनीकी पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि समय से प्राक्कलन तैयार करें, समय से मापीपुस्त पूर्ण करें। उप विकास आयुक्त के द्वारा निर्देश दिया गया कि कम से कम 15 योजनाओं का एरिया ऐप के माध्यम से निरीक्षण करना है। इसके अलावा Brds प्लांटेशन इंस्पेशन भी नियमित रूप से करना है। उन्होंने कहा कि योजनाओं में गुणवत्ता सुनिश्चित करने की जवाबदेही सभी तकनीकी पदाधिकारियों की रहेगी। बैठक में निदेशक डीआरडीए डॉक्टर कुंदन भी उपस्थित थे।

परिवार नियोजन कार्यक्रम के सुदृढीकरण को लेकर स्वास्थ्यकर्मियों का प्रशिक्षण

- प्रशिक्षित लोग ही अब अपने-अपने संस्थान के अन्य लोगों का करेंगे क्षमतावर्द्धन

बीएनएम। मोतिहारी

अस्थायी साधन को प्रभावी बनाने क़ो लेकर सभी प्रसव कक्ष इंचार्ज को दिए गये निर्देश

परिवार नियोजन कार्यक्रम के स्थाई एवं अस्थायी साधन को अधिक प्रभावी बनाने के लिए जिले के स्वास्थ्य संस्थान के लेबर रूम में कार्यरत स्टाफ नर्स एवं एएनएम का पी.एस.आई. इंडिया संस्था के द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सोमवार क़ो एमसीएच बिल्डिंग सदर अस्पताल मोतिहारी में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिले के सभी प्रखंड के पीएचसी, सीएचसी, एस.डी.एच. एवं एपीएचसी के लेबर रूम में कार्यरत स्टाफ नर्स एवं एएनएम को परिवार नियोजन कार्यक्रम पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पीएसआई इंडिया के जिला प्रतिनिधि अमित कुमार ने गर्भ निरोधक के सभी साधनों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की और गर्भ निरोध के उपयोग से मातृ स्वास्थ्य एवं शिशु स्वास्थ्य में कैसे सुधार होगा इसपर चर्चा की गयी। सिविल सर्जन, पूर्वी चम्पारण के द्वारा बताया गया कि आज के प्रशिक्षण के बाद सभी लेबर रूम इंचार्ज अपने अपने संस्थान में जाकर वहाँ कार्यरत सभी स्टाफ नर्स एवं ए.एन.एम. का परिवार नियोजन कार्यक्रम पर क्षमतावर्धन करेंगे एवं परिवार नियोजन के साधनों में बेहतर उपलब्धि प्राप्त करने में भागीदारी निभाएंगे। अस्थाई साधन को लेकर करें प्रचार एवं प्रसार प्रशिक्षण में बताया गया कि परिवार नियोजन कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शादी के बाद दो वर्ष बाद पहला बच्चा एवं दो बच्चों के बीच में तीन वर्ष का अंतराल जरूरी है. इसके लिए अस्थाई साधन के उपयोग पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। अस्थाई साधन के प्रचार-प्रसार पर कार्य करने की जरूरत है| जिला सामुदायिक उत्प्रेरक के द्वारा बताया गया कि अस्थाई साधन के उपयोग नहीं होने के कारण पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में 147721 गर्भवती महिलाओं को इन्जेक्शन टी.डी. दिया गया जिसमें सिर्फ टी.डी. बूस्टर 65606 गर्भवती महिलाओं को दिया गया जो की केवल 44% है। इस मौके पर सीएस, डीपीएम, डीसीएम, अस्पताल प्रबंधक, जिला प्रतिनिधि पीएसआई इंडिया, पिरामल, सी-3, प्रसव कक्ष इंचार्ज, स्टाफ नर्स, एएनएम व स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

बगहा में एक दिवसीय नियोजन रोजगार मेला का श्रम विभाग ने किया आयोजन

बीएनएम। बगहाः प्रखंड कार्यालय बगहा एक परिसर में सोमवार को जिला स्तरीय एक दिवसीय नियोजन सह व्यवसायिक मार्गदर्शन मेला का आयोजन किया गया। जिसमें जिला के कई बच्चों ने नियोजन रोजगार मेला में भाग लिया। इस रोजगार मेला में कौशल विकास योजना बगहा एक और बगहा दो के साथ अन्य जगहों से कई युवक और युक्तियों ने आवेदन दिया। श्रम विभाग द्वारा 25 काउंटर का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उपसभापति रश्मि रंजन के मौजूदगी में योग्य लोगों को रोजगार दिया गया। श्रम संसाधन विभाग के नोडल पदाधिकारी सह जिला नियोजन पदाधिकारी मुकुंद माधव ने बताया कि सोमवार को प्रखंड बगहा एक में कुल आवेदन 1903 आवेदन मिले। जिसमें जांच के क्रम में कागजात का मूल्यांकन श्रम विभाग और व्यावसायिक संस्थाओं द्वारा किया गया। जिसके आधार पर कुल 833 लोगों को एकदिवसीय नियोजन मेला के माध्यम से लोगों को 19 कंपनियों के द्वारा श्रम विभाग के सहयोग से रोजगार दिया गया। जिला नियोजन पदाधिकारी ने बताया कि इस श्रम मेला का आयोजन साल में दो बार किया जाता है। जिला में प्रत्येक महीना के सप्ताह में इसका आयोजन श्रम विभाग द्वारा होता है। वही इस व्यवसायिक मार्गदर्शन मेला में अलग-अलग विभागों की 1622 रिक्तिया थी। जिसमें एसबीआई, फाइनेंस कंपनी , बैंकिंग कंपनी इंश्योरेंस कंपनी आदि द्वारा योग्य लोगों को चुनाव किया गया। बगहा नगर उपसभापति रश्मि रंजन द्वारा और नोडल पदाधिकारी द्वारा चयनित लोगों को प्रशास्त्री पत्र रोजगार मिलने के बाद दिया गया। रोजगार मिलने के बाद युवक युक्तियां काफी खुश दिखाई दिए। इस मौके पर श्रम विभाग और व्यावसायिक संस्थानों के लोगों में विकाश रंजन , जीवन प्रकश , सत्यम कुमार, नजिर हैदर, आदि मौजूद थे।

राजस्व कर्मचारी ने दाखिल खारिज के लिए मांगा 3 लाख रुपये

बीएनएम। बगहाः अंचल कार्यालय बगहा दो के बलुआ छत्रौल पंचायत की दो युवतियां ने दाखिल खारिज के एवज में बगहा दो अंचल के कर्मचारी नितेश कुमार पर तीन लाख रुपये मांगने का आरोप लगाया है। जानकी कुमारी व शोभा कुमारी द्वारा राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री, सचिव, जिलाधिकारी बेतिया तथा एसडीएम बगहा को पत्र लिखकर न्याय की गुहार लगाई है। आवेदन के अनुसार दाखिल खारिज आवेदन संख्या 1103/2024-25 विगत नवंबर 2024 में किया गया। आवेदन के उपरांत राजस्व कर्मचारी नितेश कुमार द्वारा अपने शागिर्द धर्मराज के माध्यम से तीन लाख रुपये की मांग की गई। साथ ही कहा गया कि पैसा नहीं देने पर आवेदन बैक कर दिया जायेगा। वहीं पीडिता के द्वारा उक्त शिकायत तत्कालीन सीओ से किया गया तो सीओ ने 50 हजार रुपए कम कर दो लाख पचास हजार देने की बात कही। पीडिता ने मामले में आरोपियों के मोबाइल जांच सहित न्याय की मांग की है।

क्रिकेट टूर्नामेंट मैच का आगाज

बीएनएम। बैरिया/नौतनः प्रखंड क्षेत्र की पूर्वी नौतन पंचायत के लक्ष्मीपुर गांव में क्रिकेट टूर्नामेंट मैच का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे समाजसेवी सह मेडिकल कॉलेज रांची के भूतपूर्व प्रो एवं नौतन विधानसभा के भावी विधायक प्रत्याशी डॉ विपिन बिहारी पांडेय एवं बेतिया महापौर गरिमा देवी शिकारीया ने संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया। उद्घाटन के दौरान डॉक्टर विपिन बिहारी ने कहा कि खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए । खेल से शारीरिक और मानसिक विकास होता है। बेतिया महापौर गरिमा देवी शिकारिया ने कहा कि खेल में अच्छे तरीके से खेल कर खिलाड़ी गांव स्तर से लेकर राज्य स्तर तक नाम रौशन करें खेल में हार जीत लगा रहता है। हारने वालों को निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए । अहवर कुडिया पंचायत की टीम ने बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। फाइनल मैच में प्रथम विजेता को एक इलेक्ट्रिक बाइक देकर पुरस्कार किया जाएगा। मौके पर क्रिकेट टूर्नामेंट समिति के सदस्यों ने डॉ विपिन बिहारी पांडे को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। महिलाओं ने बेतिया महापौर गरिमा देवी को शाल उढाकर सम्मानित किया। मौके पर अध्यक्ष शैलेंद्र अनुराग,पूर्वक कप्तान इरफान आलम,जवाहर मुखिया,अंकुश कुमार इत्यादि मौजूद थे।

निर्वाचन आयोग ने किया ऑनलाइन मूल्यांकन

बीएनएम। बगहाः निर्वाचन आयोग के द्वारा सोमवार को ऑनलाइन मूल्यांकन का आयोजन किया गया।इसमे बगहा एक व दो के बीएलओ शामिल हुए।बगहा एक व दो प्रखण्ड सभागार भवन मे इस ऑनलाइन मूल्यांकन का आयोजन किया गया।वही इसकी जानकारी देते हुए अनुमंडल निर्वाचन पदाधिकारी अभिनव तिवारी ने बताया कि इस ऑनलाइन मूल्यांकन के माध्यम से बीएलओ की विधानसभा चुनाव से संबंधित उनकी निर्धारित योग्यता का आकलन किया जा रहा है।इस मूल्यांकन के माध्यम से यह आकलन किया जाएगा कि उनमें एएलएमटी अर्थात एसेम्बली लेबल मास्टर ट्रेनर बनने की योग्यता है अथवा नही।परीक्षाफल घोषित होने के बाद सभी एसेंबली लेबल मास्टर ट्रेनर को भारत सरकार के निर्वाचन आयोग के द्वारा प्रमाण पत्र दिया जाएगा।इसके बाद एएलएमटी बीएलओ को प्रशिक्षण देंगे ताकि विधानसभा चुनाव से संबंधित सभी औपचारिकताएं निर्धारित समय सीमा के अंदर पूरी कर ली जाए।बता दें कि अनुमंडल निर्वाचन आयोग के द्वारा आगामी विधान सभा की तैयारी के लिए कोषांग के गठन के प्रक्रिया पूरी की जा रही है।इस मौके पर सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखण्ड विकास पदाधिकारी बगहा एक प्रदीप कुमार व बगहा दो बिट्टू कुमार राम और बीएलओ अरुण कुमार आदि मौजूद थे।

दो दिवसीय आरती कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालु हुए शामिल

बीएनएम। जमुई/झाझा। झाझा प्रखण्ड क्षेत्र स्थित धमना के ऐतिहासिक प्राचीन दक्षिणनेश्वर काली मंदिर प्रांगण में शनिवार को दिन मंदिर परिसर भवन स्थल पर संध्या रात्रि वेला में गंगा स्तुति के दो दिवसीय आरती का आगाज धमना के स्थानीय मुखिया प्रतीक शर्मा एवं उनकी धर्म पत्नी ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की । इस आरती के दर्शन हेतु धमना पंचायत ग्रामीणवासियों के अलावे बिहार के अन्य जिले से आए श्राद्धालुओं ने इस पावन आस्था के वेले में शामिल हुए। जहाँ मंदिर के पावन धरा पर हाजरों से अधिक काली श्राद्धालुओं भक्तों ने माँ के समक्ष आरती स्तुति मुख्य कंठ से गुनगान की ।जिसका समापन रविवार के दिन समापन हुआ

विकास योजनाओं को समय पर करें पूरा

बीएनएम। लखीसराय । कलेक्ट्रेट स्थित मंत्रणा कक्ष सभागार में सोमवार को जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी मिथलेश मिश्र ने की। बैठक में

जिले के सभी प्रखंडों में चल रही विकास योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि आरडब्ल्यूडी एजेंसी कजरा के महिसोना सामुदायिक भवन से हॉस्पीटल मोड़ तक सड़क बना रही है। यह अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक जाएगी। कजरा गुमटी से अस्पताल तक पीसीसी सड़क का निर्माण भी जारी है। सूर्यगढ़ा प्रखंड के कबादपुर पंचायत में राय जी की दुकान से पवन साव तक वार्ड 2 और 3 में पीसीसी सड़क और नाला बनाया जा रहा है। हनुमान स्थान पर अर्द्धसैनिक बलों के लिए फॉरवर्डिंग ऑपरेटिंग बेस कैंप का निर्माण हो रहा है।बैठक में बीसीडी एजेंसी द्वारा वर्ष 2019-20 में स्वीकृत दो भवन निर्माण कार्यों की भी समीक्षा हुई। पहला, लखीसराय प्रखंड में नवनिर्मित पुलिस केंद्र में नक्सल कोऑर्डिनेशन सेंटर (G+2) भवन का निर्माण है। इसकी लागत ₹2.13 करोड़ है। यहां टेरेस फ्लोर पर सेंटरिंग का काम चल रहा है। दूसरा, सूर्यगढ़ा के पीरी बाजार थाना में 40 सिपाहियों के बैरक और 10 पदाधिकारियों के आवासीय भवन का निर्माण हो रहा है। इसकी लागत ₹2.18 करोड़ है। इसमें 6 एलएस ब्लॉक का फिनिशिंग और 4 यूएस ब्लॉक की छत पर सटरिंग का काम प्रगति पर है।डीएम ने सभी एजेंसियों को निर्देश दिया कि योजनाएं तय समय में पूरी हों। गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। कार्य में तेजी लाने को भी कहा।

सुगौलीः ऐतिहासिक संधि स्थल अतिक्रमण की गिरफ्त में, प्रशासन मौन

बीएनएम। मृत्युंजय पाण्डेय। सुगौली

भारत-नेपाल सीमा से लगभग 20 किलोमीटर पहले स्थित ऐतिहासिक कस्बा सुगौली, जहां 1816 में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और नेपाल के बीच ऐतिहासिक सुगौली संधि संपन्न हुई थी, आज अराजकता और प्रशासनिक लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण बन चुका है। यह ऐतिहासिक नगर दिनों-दिन अतिक्रमण, अव्यवस्था और यातायात जाम की गंभीर समस्या से कराह रहा है, लेकिन इस पर न तो नगर पंचायत के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का ध्यान है और न ही स्थानीय प्रशासन की कोई सक्रियता देखने को मिल रही है। सुगौली बाजार की मुख्य सड़कें और गलियां अब स्थायी दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण का शिकार हो चुकी हैं, जो दुकानों के बाहर तक अपने उत्पाद सजा कर सड़क के हिस्से पर कब्जा जमाए बैठे हैं। साथ ही, फल-सब्जी विक्रेता और ठेले-पटरी वाले भी बिना किसी अनुमति के सड़कों पर डेरा डाले हुए हैं। ई-रिक्शा और टेंपो चालकों की मनमानी पार्किंग व्यवस्था से स्थिति और भी भयावह हो गई है। परिणामस्वरूप, आम राहगीरों और दोपहिया चालकों को प्रतिदिन भारी जाम का सामना करना पड़ता है। बाजार क्षेत्र में कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं जिनमें कुछ लोगों को जान गंवानी पड़ी है। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी और प्रतिनिधि मौन हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि पहले अंचल प्रशासन द्वारा एकदिवसीय अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया था, लेकिन यह केवल औपचारिकता तक सीमित रहा। दो दिनों के भीतर फिर से अतिक्रमण पहले जैसी स्थिति में लौट आया। जनता का कहना है कि यह अभियान महज खानापूर्ति थी, जिससे आम नागरिकों की समस्याओं का कोई स्थायी समाधान नहीं निकला। सूत्रों के अनुसार, कुछ दुकानदार अपनी दुकानों के सामने की सार्वजनिक जगह को भाड़े पर पटरी वालों को देकर रोजाना अतिरिक्त कमाई करते हैं और उनसे घरेलू काम भी करवा लेते हैं। ऐसी व्यवस्था में प्रशासन की चुप्पी और प्रत्यक्षदर्शी होने के बावजूद कार्रवाई न करना कई सवाल खड़े करता है। नागरिकों का कहना है कि वे हर वर्ष टैक्स चुकाते हैं, फिर भी उन्हें न तो साफ-सफाई, न ही सुरक्षित यातायात और न ही अतिक्रमण मुक्त बाजार जैसी मूलभूत सुविधाएं मिल रही हैं। यह स्थिति न केवल प्रशासनिक विफलता है, बल्कि एक प्रकार का व्यवस्थागत भ्रष्टाचार भी प्रतीत होती है। इतिहास के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण यह स्थल देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। लेकिन बदहाल सड़कें, अतिक्रमण और अव्यवस्थित बाजार व्यवस्था उन्हें निराश करती है और क्षेत्र की छवि को नुकसान पहुंचाती है। सवाल यह उठता है कि जब निर्वाचित जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी प्रतिदिन इसी मार्ग से गुजरते हैं, तो वे इन समस्याओं का संज्ञान क्यों नहीं लेते? यह चुप्पी आखिर किस डर या स्वार्थ का परिणाम है? सुगौली की यह स्थिति इस बात का प्रतीक है कि यदि समय रहते जिम्मेदार निकाय नहीं चेते, तो एक ऐतिहासिक नगर का गौरव खो जाएगा और आम जनता का लोकतांत्रिक व्यवस्था से विश्वास उठता चला जाएगा।

पत्रकार को बाइक ने मारी टक्कर, घायल

बीएनएम। जमुई / झाझा

थाना क्षेत्र अंतर्गत रेलवे कॉलोनी के पास सोमवार की सुबह एक सड़क दुर्घटना में स्थानीय पत्रकार राकेश कुमार घायल हो गए। वे दैनिक अखबार से जुड़े हैं और किसी जरूरी कार्य से पैदल खलासी मोहल्ला की ओर जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रही एक अज्ञात बाइक सवार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक सवार मौके से फरार हो गया। दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल राकेश कुमार को इलाज के लिए झाझा रेफरल अस्पताल पहुँचाया, जहां डॉ. नवाब ने प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सक ने उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई है। घटना के बाद लोगों में आक्रोश है और उन्होंने प्रशासन से अज्ञात बाइक सवार की पहचान कर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

हाइवा से तीन साल का बच्चा घायल, चालक हिरासत में

बीएनएम। जमुई / झाझा

चालक को ग्रामीणों से छुड़ाकर हिरासत में लेते पुलिस

सोमवार की सुबह थाना क्षेत्र के शैर गांव में फिर एक हाइवा ने तीन वर्षीय एक बच्चे को टक्कर मार दिया जिससे बच्चा गम्भीर रूप से घायल हो गया। जिसे तुरन्त परिजनों ने आनन फानन में इलाज के लिए जमुई के एक निजी अस्पताल ले जाकर भर्ती करवाया। इधर, चालक वाहन छोड़कर भागने के फिराक में था लेकिन लोगों ने उसे पकड़ लिया और चालक की धुनाई करते हुए वाहन में तोड़फोड़ भी की। घटना की जानकारी पुलिस को मिली जिसके बाद मौके स्थल पर पहुंची एएसआई मुकेश सिंह ने चालक को ग्रामीणों से छुड़ाते हुए चालक को हिरासत में लिया और ट्रक जब्त कर आगे की कार्रवाई करने में जुट गई। घायल बच्चे की पहचान संतोष साह का तीन वर्षीय पुत्र शिवराज कुमार के रूप में हुई है ।इससे एक सप्ताह पूर्व 2 जून को भी शैर गांव के समीप उसी गांव के रहने वाले रामकिशुन ठाकुर जो स्टेशन की ओर जा रहा था और बेलगाम ट्रक ने उसे भी टक्कर मारकर घायल कर दिया। जिसे रेफरल अस्पताल में भर्ती करवाया गया था और फिर उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल जमुई रेफर किया गया। प्राप्त जानकारी अनुसार शिवराज अपने घर के पास खेल रहा था तभी एक हाइवा उधर से गुजरी और पिछला हिस्सा में लगे चक्का बच्चे के पैर पर चढ़ा दिया। जिसके बाद ग्रामीणों ने भाग रहे चालक को पकड़ लिया और बच्चे की स्थिति नाजुक देखकर तुरन्त उसे जमुई इलाज के लिए ले गया। हालांकि देर दोपहर तक घायल बच्चे के परिजनों की ओर से थाना में लिखित शिकायत नहीं की गई है ।

धमना काली मंदिर में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

बीएनएम। जमुई / झाझा

काली मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

दक्षिणेश्वर काली मां के स्वरूप माने जाने वाली प्रखंड क्षेत्र में लोक आस्था का केंद्र धमना काली मंदिर में मंगलवार को वार्षिक काली पूजा को लेकर सोमवार को भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर परिसर में पूजा अर्चना को लेकर उमड़ी रही। रविवार को संध्या में वाराणसी की तर्ज पर होने वाली गंगा आरती का आयोजन मां काली मंदिर में सम्पन्न किया गया। जिसमें सैकड़ो श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। सोमवार को दूर दराज से आये भक्तों का जनसैलाब भी देखने को मिला। लोग अपनी अपनी मनोकामना लिए मां के दरबार में हाजिरी लगाकर अपनी मन की मुराद पूरी होने की कामना कर रहे थे। मंदिर में बीते सोमवार से कलश स्थापना के साथ पूजा प्रांरम्भ हो गया था जिसके बाद श्रद्धालुओं का मंदिर में आगमन का सिलसिला जारी हो गया था। सोमवार को पूर्णाहुति के साथ पाठा की बली श्रद्धालुओं के देने साथ पूजा सम्पन्न किया जाएगा। वही मंगलवार को होने वाले वार्षिक पूजा के लिये सोमवार को अन्य क्षेत्रों से जो भी श्रद्धालुओं पहुंचे थे उनके रहने की उचित व्यवस्था भी मंदिर कमेटी के द्वारा की गई।धमना पंचायत के मुखिया प्रतीक शर्मा ने बताया धमना गांव में रहने वाले लोगो का कई पीढ़ियों के पूर्वजो के द्वारा यहां पर पूजा करते आ रहे हैं ।जिसका पालन आज भी हमलोग कर रहे हैं। इस मंदिर जमुई जिला ही नही बल्कि अलग अलग जिला व राज्य से भी लोग यहां आकर मन्नत मांगते हैं और फिर मन्नत पूरा होने के बाद पूरी भक्ति के साथ पूजा करते है। पंडित जयनारायण पांडेय ने बताया कि इस काली मंदिर का इतिहास 150 वर्षों से पुराना है। जो भी भक्त मंदिर में मां काली की ध्यान कर अपनी मन्नत मांगते हैं उन भक्तों का हाथ खाली नहीं रहता है और उसकी मनोकामना पूर्ण होती है। जब मंदिर में कलश स्थापना की जाती है तो उस दिन से पूरे गांव में लोग नियमों का पालन करना शुरू कर देते हैं।

अरेराज में 20 सूत्री समिति की पहली बैठक संपन्न

बिजली, जल, आवास और सिंचाई व्यवस्था पर हुई गंभीर चर्चा, लापरवाह अधिकारियों को दी गई चेतावनी

» विधायक सुनील मणि तिवारी ने किया उद्घाटन

बीएनएम। अरेराज

प्रखंड स्तरीय 20 सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति की पहली बैठक सफलता पूर्वक आयोजित की गई। इस बैठक का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक सुनील मणि तिवारी ने पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस अवसर पर विधायक ने 20 सूत्री समिति के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के कार्यालय कक्षों का उद्घाटन भी किया। बैठक में अरेराज प्रखंड क्षेत्र की विकास योजनाओं और बुनियादी सुविधाओं पर गहन विचार-विमर्श हुआ। बिजली आपूर्ति की अनियमितता, नल-जल योजना की प्रगति, प्रधानमंत्री आवास योजना के सर्वे, बांध और नहर की मरम्मत जैसे अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। विधायक सुनील मणि तिवारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके। बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी आदित्य नारायण दीक्षित, अरेराज थानाध्यक्ष विभा कुमारी, मलाही थानाध्यक्ष करण सिंह , कृषि पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार, सांख्यिकी पदाधिकारी आलोक कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान यह स्पष्ट निर्देश दिया गया कि किसी भी अधिकारी या कर्मचारी की गैरहाजिरी बिना पूर्व सूचना के स्वीकार्य नहीं होगी। समिति के सचिव या अध्यक्ष को ड्यूटी में असमर्थता की स्थिति में अनिवार्य रूप से सूचित करना होगा, अन्यथा उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक का उद्देश्य 20 सूत्री कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ-साथ विभागीय समन्वय को मजबूत करना था, जिससे जनहितकारी योजनाओं का लाभ आम जनता तक सुचारू रूप से पहुँचाया जा सके।

मुख्य सड़क पर जल जमाव से ग्रामीणों में आक्रोश,विकास के दावे की खुली पोल

जल जमाव को लेकर से आक्रोश व्यक्त करते ग्रामीण

बीएनएम। बैरिया

प्रखंड क्षेत्र के लाइफ लाइन कहे जाने वाले मुख्य सड़क पखाना बाजार में जगह-जगह पानी लगने से ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है शुक्रवार के दोपहर करीब 3:00 बजे आक्रोश जताते हुए ग्रामीणों ने बताया कि इसी रास्ते से बड़े-बड़े जन्म प्रतिनिधियों का गाड़ी आता है और जाता है लेकिन यह समस्या उन लोगों को नजर तक नहीं पड़ता ग्रामीणों का कहना है कि पक रहा के मिडिल स्कूल एवं शिव मंदिर के पास हल्की बारिश में भी सड़के जलमग्न हो जा रही है आने-जाने में राहगीरों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है लेकिन इस समस्या का निदान अभी तक नहीं हुआ ग्रामीणों का कहना है कि यह सड़क उत्तर प्रदेश को जिला मुख्यालय बेतिया को जोड़ता है। शनिवार के दोपहर 2 बजे बैरिया प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि आवेदन मिलने पर संबंधित विभाग को फॉरवर्ड किया जाएगा और इस समस्या का निधन कराया जाएगा

अतिक्रमण से मुख्य नाले की जल निकासी बाधित

बरसात में जलजमाव होने से पूरी बस्ती को बचाने के लिए महापौर ने दिया आदेश

बीएनएम। बेतिया

स्थल निरीक्षण करते महापौर या सिटी मैनेजर

महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने पक्की फुलवारी मुहल्ले में वर्षों से जल की समस्या बनी रहने को लेकर सोमवार को सिटी मैनेजर और अभियंता के साथ स्थल निरीक्षण किया। समस्या का देर तक अवलोकन के बाद साथ के अधिकारियों यथा सिटी मैनेजर अभिषेक कुमार और कनीय अभियंता सुजय सुमन को महापौर ने कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। उन्होंने बताया कि बेतिया राज की जमीन और नालों पर बेतहाशा अतिक्रमण से मुख्य नाले की जल निकासी व्यवस्था बुरी तरह से बाधित है। श्रीमती सिकारिया ने बताया कि मुख्य नाले के दोनों किनारे की सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराए बिना पूरे पक्की फुलवारी मुहल्ले को जलजमाव से बचाना मुश्किल है। महापौर ने बताया कि पक्की फुलवारी मुहल्ले में मुख्य नाले तक का अतिक्रमण के कारण नाले में जमी तल की शिल्ट और गाद तक को वर्षों से तल से नहीं निकाली जा पा रही है। महापौर ने मौके पर मौजूद महिला पुरुषों से कहा कि आप लोगों ने सरकारी मुख्य नाले के ऊपर शौचालय बना लिया है। अगर नालों पर से अतिक्रमण हटाने के साथ जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित नहीं की गई तो आगामी बरसात में जल जमाव होने से पूरी बस्ती को बचाने मुश्किल होगी। उन्होंने त्वरित कार्रवाई का आदेश देते हुए लोगों से भी कहा कि आप जब खुद ही नगर निगम प्रशासन की समस्या बढ़ाएंगे तो हम लोग आप सबके लिए जन सुविधाओं का विस्तार कैसे कर पाएंगे। महापौर ने बताया कि जब तक मुख्य नालों और उसके फ्लैक को अतिक्रमण मुक्त नहीं किया जाएगा, तब तक पोकलेन और जेसीबी जैसी मशीने नालों की तल से सफाई नहीं कर पाएंगी, इतनी लंबी दूरी में सिर्फ मैन्युअल लेबर के सहारे सफाई करना असंभव है।

जिला स्थापना समारोह को ऐतिहासिक बनाने में जुटा प्रशासन

» 3 जुलाई को मनाया जायेगा जिला स्थापना दिवस

बीएनएम। लखीसराय

स्थापना दिवस को लेकर बैठक करते जिलाधिकारी व अन्य

जिले का 31वां स्थापना दिवस 3 जुलाई को धूमधाम से मनाया जाएगा। इसे लेकर सोमवार को समाहरणालय के मंत्रणा कक्ष में बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी मिथलेश मिश्र ने की। बैठक में डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्थापना दिवस को भव्य और गरिमामय तरीके से मनाया जाए। उन्होंने कहा, यह लखीसराय का 31वां स्थापना दिवस होगा। इसे पिछले वर्ष की तरह उल्लासपूर्वक मनाया जाएगा। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी, सम्मान समारोह और विकास योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।बैठक में स्थापना दिवस की कार्य योजना पर विस्तार से चर्चा हुई। डीएम ने कहा, सभी विभाग आपसी समन्वय से काम करें। कार्यक्रम में किसी तरह की बाधा नहीं आनी चाहिए। उन्होंने आयोजन स्थल, कार्यक्रम की रूपरेखा और अतिथियों की सूची पर अधिकारियों से सुझाव लिए। उन्होंने जानकारी देते हुये कहा की आगामी 3 जुलाई 2025 को लखीसराय जिला के स्थापना दिवस की तैयारी से संबंधित समीक्षा की गई। लखीसराय जिले की स्थापना दिनांक 3 जुलाई 1994 को हुआ था। इस साल जिले का 31वां स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया जाना है।स्थापना दिवस मनाने हेतु जिला पदाधिकारी मिथिलेश मिश्र के द्वारा वृक्षारोपण किया जायेगा एवं , कृषि मेला, सभी कार्यालय को नीली रोशनी से सजाना, निबन्ध प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, पेंटिंग प्रतियोगिता, तोरण द्वार बनाना जायेगा। बैठक में अपर समाहर्ता सुधांशु शेखर, जिला परिवहन पदाधिकारी मुकुल पंकज मणी, सिविल सर्जन बीपी सिंन्हा, वरीय उपसमाहर्ता शशि कुमार, भूमि सुधार उप समाहर्ता सीतू शर्मा, विशेष कार्य पदाधिकारी जिला गोपनीय शाखा ओम प्रकाश सिंह, जिला आपूर्ति पदाधिकारी राहुल कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी यदुवंश राम, जिला कल्याण पदाधिकारी राजीव रंजन के साथ अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा सभी अंचल अधिकारी उपस्थित रहे।

बस्तर एलडब्लूई सूची से बाहर

छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले का नक्सल प्रभावित जिलों की सूची से हटना सिर्फ राज्य ही नहीं अपितु पूरे देश के लिए राहत की खबर है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मार्च, 2026 तक देश को नक्सली हिंसा से मुक्त कराने की घोषणा के बाद से ही सुरक्षा बल जी-जान से नक्सल विरोधी अभियान में जुटे हुए हैं। हाल में नक्सलियों के सबसे बड़े नेता बसव राज और सेंट्रल कमेटी नेता चलपति के मारे जाने के बाद से ही वामपंथी अतिवादी हलकों में पसरा सन्नाटा उनके हौसले टूटने का संकेत दे रहा है। यह छत्तीसगढ़ राज्य विशेषकर बस्तर क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। बस्तर न केवल एक जिला है, बल्कि संभाग भी है, जिसमें कुल 7 जिले शामिल हैं-ये हैं-बस्तर (मुख्यालयः जगदलपुर), कोंडागांव, दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर और बीजापुर (जो पूर्व में दंतेवाड़ा से अलग हुआ)। हालांकि बस्तर जिला अब एलडब्लूई सूची से बाहर हो चुका है, लेकिन बस्तर संभाग के अन्य कुछ जिले अब भी नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शामिल हैं। हालांकि नक्सल विरोधी अभियानों में सुरक्षा बलों को मिल रही सफलता इस पूरे क्षेत्र को मार्च, 2026 से काफी पहले ही वामपंथी अतिवादी हिंसा से मुक्त कराने की दिशा में आगे बढ़ रही है। आदिवासियों के जल, जमीन और जंगल पर हक की लड़ाई के नाम पर शुरू हुआ संघर्ष अतिवादी हिंसा में परिणत होकर रास्ता भटक चुका था। पिछले तीन-चार दशकों में इस हिंसा में भारी खूनखराबा हुआ है और इलाके का विकास कई दशक पीछे चला गया है। हिंसा में अब तक 2000 से अधिक ग्रामीण और सुरक्षा बलों के 1400 से अधिक जवान मारे जा चुके हैं। स्थानीय लोग हिंसा से आजिज आ चुके हैं। सुरक्षा बलों को अभियानों में मिल रही कामयाबी में स्थानीय लोगों का साथ मिलना काबिलेगौर तथ्य है। सुरक्षा बलों में स्थानीय भाषा, संस्कृति और क्षेत्र के चप्पे-चप्पे के जानकार स्थानीय लोगों की भर्ती कारगर साबित हुई है जिसने माओवादियों के प्रचार अभियानों को भारी नुकसान पहुंचाया और उनके छिपने के ठिकानों की संख्या सीमित कर दी। सुरक्षा बलों को मिला तकनीक का साथ भी कारगर रहा।

प्रधानमंत्री मोदी के सेवा, सुशासन और समर्पण के ग्यारह वर्ष

सुनील कुमार तिवारी

साल 2014 में जब नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, तब देश एक निर्णायक नेतृत्व की तलाश में था। आर्थिक अनिश्चितता, नीतिगत पंगुता और भ्रष्टाचार के मामलों ने जनता को निराश कर दिया था। ऐसे समय में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय मंच पर एक उम्मीद की किरण बनकर उभरे। एक चाय बेचने वाले से लेकर देश के शीर्ष नेतृत्व तक का उनका सफर न केवल प्रेरणादायक रहा है, बल्कि यह उस विश्वास और प्रतिबद्धता की कहानी है जो उन्होंने देश की जनता के साथ साझा की। पिछले 11 वर्ष में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। चाहे वह आधारभूत ढांचा हो, आर्थिक विकास, गरीब कल्याण, सांस्कृतिक पुनर्जागरण, युवाओं का सशक्तिकरण या फिर वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 11 वर्ष के कार्यकाल की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है-भ्रष्टाचार से मुक्त शासन। इतने लंबे समय तक शीर्ष पद पर रहने के बावजूद मोदी पर व्यक्तिगत स्तर पर कोई भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा, जो भारतीय राजनीति में एक दुर्लभ उपलब्धि है। उनके नेतृत्व में सरकार ने ''न खाऊंगा, न खाने दूंगा'' के सिद्धांत पर चलते हुए प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्यक्षमता को प्राथमिकता दी। एक और उल्लेखनीय पहल यह रही कि मोदी सरकार ने राजनीतिक स्थिरता के साथ निर्णायक शासन का उदाहरण प्रस्तुत किया। तीन बार लगातार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाकर नरेन्द्र मोदी ने यह साबित किया कि यदि नेतृत्व जनविश्वास अर्जित कर सके तो लोकतंत्र में लंबी स्थिरता संभव है।

गरीबों का सशक्तिकरण और जनकल्याण योजनाएं:-

प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई): गरीबों को पक्के मकान देने के वादे को जमीन पर उतारते हुए, सरकार ने अब तक 4 करोड़ से अधिक घरों का निर्माण किया है। यह योजना विशेष रूप से महिलाओं के नाम पर रजिस्ट्रेशन को बढ़ावा देती है, जिससे महिला सशक्तिकरण को भी बल मिला।

उज्ज्वला योजना: आठ करोड़ से अधिक बीपीएल परिवारों को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन देकर सरकार ने न केवल महिलाओं की स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम उठाया, बल्कि स्वच्छ ईंधन के उपयोग को भी प्रोत्साहित किया।

जल जीवन मिशन: हर घर जल अभियान के तहत 14 करोड़ से अधिक घरों में नल से जल की सुविधा पहुंचाई गई। इससे न केवल ग्रामीण महिलाओं को राहत मिली, बल्कि स्वच्छता और स्वास्थ्य में सुधार भी हुआ।

स्वच्छ भारत मिशन: साल 2014 में खुले में शौच मुक्त भारत का सपना देखते हुए शुरू किए गए इस मिशन के तहत 11 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण हुआ। यह न केवल स्वच्छता की दिशा में क्रांति साबित हुई, बल्कि सामाजिक गरिमा का प्रतीक भी बनी।

डिजिटल इंडिया और टेक्नोलॉजिकल क्रांति: डिजिटल इंडिया केवल एक अभियान नहीं रहा, यह देश की अर्थव्यवस्था और प्रशासन में क्रांतिकारी बदलाव का आधार बना।

यूपीआई क्रांति: मार्च 2025 में अकेले 1,830 करोड़ डिजिटल ट्रांजेक्शन हुए जिनका मूल्य 24.77 लाख करोड़ रुपये रहा। यह विश्व स्तर पर भारत की अग्रणी स्थिति को दर्शाता है।

डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी): अब तक 30 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में भेजी गई, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई और भ्रष्टाचार पर नियंत्रण हुआ।

दूरसंचार विस्तार: देश के हर कोने में 4जी और अब 5जी नेटवर्क की पहुंच, ग्रामीण भारत को डिजिटल रूप से जोड़ने में सफल रही है।

बुनियादी ढांचे में क्रांति: प्रधानमंत्री मोदी का एक बड़ा फोकस रहा है-विश्व स्तरीय आधारभूत ढांचे का निर्माण।

राजमार्ग निर्माण: 2014 के बाद से अब तक 90,000 किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण हुआ।

रेलवे आधुनिकीकरण: 100 से अधिक रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प किया गया, बुलेट ट्रेन परियोजना पर कार्य चल रहा है, और वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेनों की शुरुआत हुई है।

एयरपोर्ट निर्माण: यूडीएएन योजना के तहत छोटे शहरों को हवाई संपर्क से जोड़ा गया। अब देश में 150 से अधिक एयरपोर्ट्स कार्यरत हैं।

इंफ्रास्ट्रक्चर स्केल: 2014 की तुलना में आधारभूत परियोजनाओं के लिए आवंटित बजट में पांच गुना से अधिक की वृद्धि की गई है।

आत्मनिर्भर भारत और आर्थिक विकास- कोरोना महामारी के दौरान घोषित ''आत्मनिर्भर भारत अभियान'' केवल एक नारा नहीं था, बल्कि एक व्यापक दृष्टिकोण था जिसमें उत्पादन, नवाचार, निर्यात और रोजगार सभी शामिल थे।

मेक इन इंडिया: देश अब रक्षा, मोबाइल, सेमीकंडक्टर, फार्मास्यूटिकल, और इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर है।

विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था: साल 2014 में भारत 11वीं अर्थव्यवस्था था, आज वह चौथे पायदान पर है, और जल्द ही तीसरे स्थान पर आने की संभावना है।

स्टार्टअप इंडिया: आज भारत में एक लाख से अधिक स्टार्टअप हैं जिनमें से 100 से अधिक यूनिकॉर्न हैं। यह नवाचार और उद्यमिता का नया युग है।

कृषि और ग्रामीण विकास:-

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान): 12 करोड़ से अधिक किसानों को सालाना 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता मिल रही है। अब तक 2.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि किसानों को दी जा चुकी है।

फसल बीमा योजना: इस योजना ने किसानों की आय को सुरक्षित किया है। करोड़ों किसानों को बीमा दावों के तहत हजारों करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं।

ई-नाम: कृषि उपज का डिजिटल व्यापार, किसानों को पारदर्शी कीमतें और बेहतर बाजार उपलब्ध कराने का एक बड़ा माध्यम बना है।

युवा शक्ति और शिक्षा: भारत की 65 फीसद आबादी 35 वर्ष से कम है। इस युवा शक्ति को उत्पादक बनाना मोदी सरकार की प्राथमिकता रही है।

स्किल इंडिया: 1.5 करोड़ से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है।

स्टार्टअप और स्टैंडअप इंडिया: युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिससे निजी क्षेत्र में रोजगार सृजन हुआ।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: यह नीति भारत की शिक्षा प्रणाली को वैश्विक मानकों पर ले जाने का प्रयास है, जिसमें व्यावहारिकता, नवाचार और मातृभाषा में शिक्षा को महत्व दिया गया है।

महिलाओं का सशक्तिकरण- मोदी सरकार का महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान रहा है। इनमें प्रमुख हैं-बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ। महिला जनधन खाते। मातृत्व वंदना योजना। कार्यस्थलों पर सुरक्षा और समान अवसर। इन योजनाओं से महिलाओं की भागीदारी शिक्षा, अर्थव्यवस्था और शासन में बढ़ी है।

वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा- प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति निश्चय तौर पर प्रगतिशील रही है। इसके उदाहरण हैं- जी20 की अध्यक्षता और सफल शिखर सम्मेलन। क्वाड, ब्रिक्स और एससीओ में सक्रिय भागीदारी। प्राकृतिक आपदाओं में अंतरराष्ट्रीय सहायता। भारतीय प्रवासी समुदाय से जुड़ाव|प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं और सक्रिय कूटनीति ने भारत को वैश्विक नीति निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका दिलाई है। इससे संस्कृति, धर्म और विरासत का पुनर्जागरण हुआ है। मोदी सरकार ने सांस्कृतिक मूल्यों के पुनरुद्धार को नया आयाम दिया है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक, राम मंदिर निर्माण लोक की जनभावना के तहत कराया गया। बौद्ध तीर्थ स्थलों का विकास और बुद्ध धम्म को वैश्विक मंच पर स्थापित कराया गया। प्राचीन ग्रंथों और धरोहरों का डिजिटलीकरण भी अहम है। आयुष मंत्रालय की स्थापना और योग का वैश्वीकरण महानतम उपलब्धि है।

खेल और फिट इंडिया अभियान:-

खेलो योजना: ग्रामीण व शहरी प्रतिभाओं को आगे लाना।

टॉप्स स्कीम: ओलंपिक संभावित खिलाड़ियों को पोषण, ट्रेनिंग और वित्तीय सहायता।

पैरालंपिक सफलता: भारत ने हाल के पैरालंपिक्स में रिकॉर्ड 29 पदक जीते हैं।

फिट इंडिया मूवमेंट: लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता।

कोरोना काल का प्रभावी प्रबंधन- कोविड-19 एक अभूतपूर्व वैश्विक संकट था। भारत में 200 करोड़ से अधिक टीके लगाए गए, ''वैक्सीन मैत्री'' के तहत 100 से अधिक देशों को टीके भेजे गए। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज मिला।

सूडोकु नवताल- 7456

✶✩✩✩✩ सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7455 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

भारत और फ्रांस के बीच गहराते मतभेद

प्रमोद भार्गव

फ्रांस की फ्रांसीसी डिफेंस कंपनी डसॉल्ट एविएशन भारत को राफेल लड़ाकू विमान का कूट संकेत (सोर्स कोड) देने को तैयार नहीं है। कूट संकेत को नहीं देने से भारत और फ्रांस के बीच मतभेद गहराते जा रहे हैं। भारत की इच्छा थी कि इस कूट तकनीक के मिलने के बाद भारत अपनी ब्रह्मोस जैसी स्वदेशी मिसाइलें और अन्य रक्षा पण्रालियां राफेल में जोड़ कर उन्हें बहुआयामी रूपों में इस्तेमाल कर लेगा। लेकिन कूट संकेत के बिना यह संभव नहीं है। इस कारण राफेल सौदा निरस्त भी हो सकता है। एक समय था जब फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी खूब गलबहियां डाले दिखाई देते थे। अब उसी फ्रांस ने भारत को कूट संकेत देने से मुंह फेर लिया है। यह सोर्स कोड मूल रूप में सॉफ्टवेयर होता है। इससे पहले भी भारत के स्वदेशी लड़ाकू विमान इंजन कावेरी के लिए फ्रांसीसी कंपनी ने भारत को मदद करने से मना कर दिया था। किसी भी विमान या कंप्यूटर आधारित संचार प्रणाली से जुड़े विमान या उपकरण के लिए कूट संकेत प्रोग्रामर द्वारा तैयार किया जाता है। इसी के दर्ज होने पर कंप्यूटर प्रक्रिया को आगे बढ़ाता है यानी कंप्यूटर कूट संकेत या सोर्स कोड किसी भी कंप्यूटर प्रोग्राम की नींव होता है। दरअसल, प्रोग्रामर का सोर्स कोड निर्देशों का ऐसा समूह होता है, जो प्रोग्राम को संचालित करने का काम करता है। सोर्स कोर्ड लिखने की प्रक्रिया को आम तौर पर कोडिंग या प्रोग्रामिंग कहते हैं। इसी कोड को फ्रांस ने देने से मना कर दिया है। नतीजतन, भारत ने फ्रांस से जिन 26 राफेल मरीन विमानों की खरीद का सौदा करने की तैयारी की है, यदि वह इन विमानों को खरीद लेता है तो इस कोड के बिना राफेल में ब्रह्मोस मिसाइल और अन्य स्वदेशी हथियारों की संचालन प्रक्रिया राफेल में लोड नहीं कर पाएगा। तब ये हथियार चलाए ही नहीं जा सकेंगे। राफेल से वही हथियार चलाए जा सकेंगे, जो फ्रांस से खरीदे जाएंगे। फ्रांस संभवतः यह तकनीक इसील 'ए नहीं दे रहा है कि भारत की मजबूरी फ्रांस से हथियार खरीदने की बनी रहे। यह सौदा टूटता है तो भारत इसकी जगह रूस के एसयू-57 लड़ाकू विमान खरीद सकता है। रूस विमान के साथ कूट संकेत देने को राजी है। अतएव भारत अपनी मिसाइल और अन्य मारक हथियारों को इस विमान से शत्रु पर दाग सकता है। इस नाते भारत स्वदेशी हथियारों के निर्माण में आगे बढ़ेगा। अपने हथियारों को विदेशी बाजार में बेचने को भी स्वतंत्र रहेगा। भारत सरकार की मंशा स्वदेशी रक्षा उपकरणों के निर्माण को बढ़ावा देना भी है। इस दृष्टि से भारत ने अपनी वायुसेना के लिए पांचवीं पीढ़ी के आधुनिक डीप पेनिट्रेशन एडवांस मीडियम काम्बैट एयरक्रॉप्ट (एएमसीए) को स्वदेश में ही विकसित करने की बड़ी परियोजना पर काम करना शुरू कर दिया है। इस परियोजना को अंजाम देने का काम सरकारी और निजी कंपनियों की संयुक्त भागीदारी से आगे बढ़ेगा और पांचवीं पीढ़ी के आधुनिक लड़ाकू विमानों के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। वस्तुतः सुरक्षा मामलों की केंद्रीय कैबिनेट समिति (सीसीएस) सरकार से सरकार के बीच सौदे के तहत 64 करोड़ रुपये की लागत से भारतीय नौसेना के लिए फ्रांस से 26 राफेल-एम (मैरीटाइम) विमानों की खरीद को अंतिम रूप दे चुकी है। इन्हें विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर सुरक्षा के लिए खरीदा जा रहा था। इनमें एक सीट वाले 22 और दो सीट वाले 4 लड़ाकू विमान खरीदे जाते। इस खरीद में फ्रांस सरकार की ओर से नौसेना के लिए हथियार, सिम्युलेटर, कलपुर्जे, सहायक उपकरण, स्पेयर पार्टस और पायलटों को प्रशिक्षण भी दिया जाना शामिल था। राफेल एम विमानों के अनुबंध पर हस्ताक्षर होने के बाद 37 से 65 महीनों के भीतर सप्लाई होनी थी यानी विमानों की आपूर्ति 2030-31 के भीतर हो जाएगी। फ्रांस से भारत ने 36 पूर्व में भी राफेल विमान खरीदे जा चुके हैं। लेकिन कूट संकेत नहीं देने के कारण यह सौदा निरस्ती के कगार पर पहुंच गया है। हिन्द महासागर क्षेत्र में चीन वर्चस्व बढ़ाने में लगा है। इसलिए अब भारत रूसी लड़ाकू विमान एसयू-57 खरीदने का विचार कर रहा है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन एसयू-57 लड़ाकू विमान की प्रौद्योगिकी और सोर्स कोड भारत को देने को तैयार हैं। यदि भारत सरकार रूस से विमान खरीदती है, तो रूसी कंपनी का दावा है कि वह एसयू-30 विमान उत्पादन ईकाई से ही इसी साल एसयू-57 लड़ाकू विमानों का उत्पादन भारत में शुरू कर देगी। अभी तक पश्चिमी देशों की तुलना में रूस ही है जो भारत का सबसे भरोसेमंद दोस्त रहा है। 1971 में पाकिस्तान से हुए युद्ध में रूस ने अपना जहाजी बेड़ा भारतीय समुद्र में भेज कर भारत का आत्मबल बढ़ाया था। फलतः भारत ने न केवल पाकिस्तान का भूगोल बिगाड़ कर नया देश बांग्लादेश बनवाया बल्कि 93 हजार पाकिस्तानी सैनिकों के हथियार डलवा कर दुनिया का सबसे बड़ा सैनिक समर्पण भी कराया।

मेष राशि- आज आपकी किस्मत आपका साथ देगी। आज के सारे काम आसानी से पूरे हो जाऐंगे। साथ ही अपने भविष्य के लिए एक योजना बनाऐंगे और सोच-विचार करेंगे। आज ज्यादातर आपका समय परिवार वालों और दोस्तों की इच्छाओं को पूरा करने में निकल जाएगा। इस राशि के बिजनेस पर्सन आज कुछ रसूखदार लोगों से मिल सकते है।

वृष राशि- आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। किसी नए रिश्ते की शुरुआत करने का मौका मिलने की संभावना है। साथ ही अपने नजदीकी रिश्तों को सुधारने की कोशिश करेंगे, हो सकता है सफलता मिल जाए। इस राशि के बेरोजगार बैठे लोगों को आज किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के ऑफर मिलने के चांस बन रहे है।

मिथुन राशि- आपके लिए दिन अच्छा रहेगा। पहले से बनाई हुई योजनाओं के पूरा होने के योग बन रहे है, साथ ही नए काम की योजना बना सकते है। आज आप रिश्तों के प्रति भावना से परिपूर्ण रहोगे, हो सकता है कहीं बाहर घूमने की प्लानिंग भी बन जाए। इस राशि के आर्किटेक क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज ऑफिस में किसी पुरानी गलती के कारण डांट पड़ सकती है और काम का प्रेशर ज्यादा हो सकता है।

कर्क राशि- आज मेहनत से करे हुए सारे काम पूरे होंगे। बिजनेस के मामले में थोड़ी-सी सावधानी बरतें। आज आपका कोई दोस्त आपसे किसी जरुरी दस्तावेज पर साइन करवाने आ सकते है, बेहतर होगा साइन करने से पहले दस्तावेज को अच्छे से पढ़ लें। और जल्दबाजी में कोई भी कार्य न करें। बिजनेस में जोखिम भरे सौदे करने से बचना होगा।

सिंह राशि- आज आपका मन लेखन कार्यों में रहेगा। पहले की किसी पूरानी कविता के कारण आपको कॉलेज में पुरस्कार भी मिल सकता है। इस राशि के जो स्टूडेंट्स अपनी पढ़ाई विदेश में करना चाहते हैं, अपनी पढ़ाई के मामले में विदेशी यूनिवर्सिटी से बातचीत करने के लिए आज अच्छा दिन है। साथ ही परिवार और दोस्तों का पूरा साथ मिलेगा।

कन्या राशि- आज का दिन आपका खुशनुमा रहेगा। आज बिजनेस के मामले में नजदीकी दोस्त से समय पर आपको मदद मिल जाएगी, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। इस राशि के अविवाहित लोगों के लिए आज रिश्ते आ सकते है, हो सकता है कि शादी फिक्स भी हो जाए। आर्थिक पक्ष पहले की अपेक्षा मजबूत होगा।

तुला राशि- आज आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ और उम्मीदें भी ज्यादा रहेंगी। आज ऑफिस में काम का टारगेट पूरा होने से बॉस आपसे खुश होकर आपको कोई उपयोगी वस्तु गिफ्ट कर सकते हैं। साथ ही आपको नए अवसर मिलने के चांस बन रहे हैं। टीचर्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा, आज आपका प्रमोशन हो सकता है। दोस्तों के साथ बाहर के मौसम का लुफ्ट उठाओगे।

वृश्चिक राशि- आज का दिन दुख और सुख से मिला-जुला रहेगा। आज घरेलू चीजों को खरीदने पर आपके अधिक पैसे खर्च हो सकते है। आज आपको रोजगार के उचित अवसर प्राप्त होंगे। माता-पिता का आशीर्वाद आपको मंजिल तर पहुंचाने में मदद करेगा। राजनीति में आप सक्रिय भूमिका निभाएंगे। आप विरोधियों का सामना करेंगे। आज यात्रा कुछ ज्यादा होने की वजह से थकान महसूस करेंगे।

धनु राशि- आपकी ऊर्जा का स्तर अच्छा रहेगा। बढ़ी हुी ऊर्जा के साथ आप कोई काम करेगें तो कम समय में पूरा हो जाएगा। आज आपकी अंदरूनी ताक़त कार्यक्षेत्र में दिन को बेहतर बनाने में भी मददगार साबित होगी। आज उन लोगों से सावधान रहें जो आपको ग़लत राह पर ले जाने की सोचते हैं। जीवनसाथी के जीवन में बदलाव आने से खुशी का माहौल बनेगा। घर में चल रही विवाह संबंधी समस्या जल्द ही सॉल्व हो जाएगी।

मकर राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। ऑफिस में आज किसी बात को लेकर बॉस से आपको डांट पड़ सकती है। आज ज्यादा क्रोध करने से आपका काम बिगड़ सकता है। बेहतर होगा कि आज किसी भी बात पर जल्दी गुस्सा करने से बचें। आज पॉपर्टी में निवेश करने के लिए दिन शुभ है। कलात्मक कार्यों में आज आपकी रूचि बढ़ेगी।

कुम्भ राशि- आज आपका दिन राहत पूर्ण रहने वाला है। आज आपके पारिवारिक जीवन में उत्साह का माहौल रहेगा। इस राशि वाले कवियों के लिए आज का दिन अत्यन्त महत्वपूर्ण रहने वाला है। आज आपको अपनी प्रतिभा के लिए पुरस्कार भी मिल सकते है। इस राशि के लवमेट के लिए आज का दिन शुभ है। आज आप अपने साथी से मन की बात कर उन्हें कही घूमाने ले जा सकते है।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। इस राशि वाले अगर आज नई योजनाएं शुरू करना चाह रहें है तो उसे टाले नहीं शुरू कर दें। आज आप जो भी कार्य करेंगे उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। नौकरीपेशा वाले लोगों को आज अपने सहकर्मियों का पूर्ण योगदान प्राप्त होगा। आज आप पास आये नए मौकों को हाथ से न जाने दें।

बांके बिहारी मंदिर में कोरिडोर पर एक नया विवाद

संजय गोस्वामी

बांके बिहारी मंदिर कोरिडोर के निर्माण हेतु एक और विवाद गहराता जा रहा जिसे आपस में मिलजुल कर आपसी स्नेह से सुलझाने की कोशिश करना चाहिए उप्र सरकार के अनुसार बांके बिहारी मंदिर के पास करीब 5 एकड़ जमीन पर कॉरिडोर बनना का है. मंदिर तक जाने के लिए तीन रास्ते बनाए जाएंगे. श्रद्धालुओं को वाहन खड़ा करने में परेशानी न हो इसके लिए 37 हजार वर्गमीटर में पार्किंग बनाई जानी है. हालांकि कॉरिडोर इस तरह से बनाया जाना है, जिससे मंदिर का मूल स्वरूप पहले जैसा ही रहे.गोस्वामियों का कहना है कि मंदिर उनकी निजी संपत्ति है. लेकिन रेवेन्यू डॉक्युमेंट्स के मुताबिक, ऐसा नहीं है. इन दस्तावेजों में यह जमीन मंदिर के नाम से है ही नहीं बल्कि गोविंददेव के नाम से दर्ज है. कॉरिडोर बनाने के लिए मंदिर के पास 100 दुकानों और 300 घरों का अधिग्रहण किया जाना है. हालांकि सरकार इसके लिए उचित कॉरिडोर बनाए जाने से मंदिर और उसके आसपास के पारिस्थितिकी तंत्र के धार्मिक और सांस्कृतिक चरित्र के बदलने की आशंका है, जिसका गहरा ऐतिहासिक और भक्ति संबंधी महत्व है. बता दें कि देवेंद्र नाथ मंदिर के संस्थापक स्वामी हरिदास गोस्वामी के वंशज हैं और उनका परिवार पिछले 500 सालें से मंदिर का प्रबंधन कर रहा है. अब क्या कर सकते हैं कोर्ट का निर्णय माने शांति से काम लें ईश्वर हमेशा आपके साथ हैं वह गुस्से में नहीं रहता जो होना होगा सो होगा उसे ना तो मैं रोक सकता हूँ ना ही क़ोई और जब से धर्म को व्यवसाय का साधन बनाने की कोशिश हुई है तब ईश्वर वहाँ से जा चुका होता है ईश्वर प्रभु राम है जिसे ना तो किसी प्रचार की आवश्यकता है ना हि दिखावे की उसे इंसानियत और शांति पसन्द है कभी गुस्सा या घमंड नहीं कुर्सी आती भी है और जाती भी है लेकिन भगवान राम जैसे पहले थे वैसे आज भी हैं और कल भी रहेंगे कॉरिडोर का निर्माण हो या आलिशान मंदिर का जब तक गरीबों को सही न्याय नहीं मिलता तब तक ईश्वर वहाँ से दूर चला जाता है गरीबों की सेवा में, पूजन करने वाले याआस्था से जुड़े डेली कमाने वाले स्थानीय लोग की जो उचित हो करना चाहिए विकास के लिए निर्माण भी जरुरी है लेकिन आस्था के साथ ही पुजारी क़ोई चोर डाकू तो नहीं हैगरीबों की सेवा में, पूजन करने वाले याआस्था से जुड़े डेली कमाने वाले स्थानीय लोग की जो उचित हो करना चाहिए विकास के लिए निर्माण भी जरुरी है मैं पहले काशी विश्वनाथ मंदिर में कम लोगों के आराम से पूजा करता था लेकिन कोरोडोर बनने के बाद जैसे तैसे लाईन तोड़ कर मंदिर में पूजा कर तुरंत भागा क्योंकि वहाँ चेस्ट पेन हुआ बाद में आराम से शांति से प्रभु राम का ध्यान किया उसके बाद डॉ से दिखाया कुछ नहीं था इसलिए ना तो महाकुम्भ गया क्योंकि ईश्वर मेरे अंदर है और बाहरी माया की दुनिया है जो क़ोई भी रा मंदिर के निर्माण कर यह कहे जो भगवान राम को लाएं है उसे हम लाएंगे, कैसे भगवान श्री राम को आप ला सकते हो जो मूर्ति है मंदिर है जो भगवान राम के साक्षी होने का प्रतिक वो तो पहले से अनादि काल से हैं पहले भी थे आज भी हैं और अनन्त काल तक रहेंगे भले ही आप रहो या ना रहो ईश्वर के प्रति सच्ची निष्ठा को उसको ही समर्पित कर राममंदिर भी प्रभु राम की कृपा से बना 500 साल के इतिहास को उलट कर देखिए कितनो ने उसके लिए बलिदान दिया और आज के समय कारसेवकों का श्रेय जाना चाहिए जो गोली खाकर भी कभी इस उद्देश्य से नहीं गए कि मेरा नाम होगा अतः पहले खुद को पहचनाने की जरुरत है गरीबों को सेवा करने की जरुरत है राममंदिर में राम रसोई के लिए राम भक्त स्व कुणाल किशोर, जो महावीर मंदिर के संस्थापक थे और पटना में पूर्व आईपीएस थे उन्होंने कभी नहीं कहा कि हम डेली अन्न खिला रहें हैं निहंग सिखों द्वारा लंगर चलता है उसने उसका क़ोई भी प्रचार नहीं किया गुरूद्वारे में लंगर का आयोजन होता है और सभी गुरुजी ने हमेशा कहा कि गरीबों की सेवा करो और कभी उसका श्रेय अपने उपर नहीं लिया और सब गुरु को समर्पित है और इसलिए वहाँ गुरु के कृपा की भजन होती है ना तो क़ोई वीआईपी जैसा ट्रीट होता है सभी एक साथ लाइन में रहते हैं उनका मानना है कि लाइन तोड़ने पर संगत टूटता है और उनके भजन में मैंने कई बार भगवान राम के महिमा का गुरु द्वारा पाठ में भजन सुना है रा मंदिर के निर्माण से पहले सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम् दस्तावेज 1858 में निहंग सिखों द्वारा एफ आईआर की कॉपी भी मिला जो निहंग सिखों ने दर्ज कराई थी 1858 में, निहंग सिखों ने राम जन्मभूमि के विवादित ढांचे पर पूजा-अर्चना की और राम-राम लिखा, जो राम मंदिर आंदोलन का एक शुरुआती कदम था। आज भी, निहंग सिख राम मंदिर में लंगर चलाकर और अन्य तरीकों से अपनी भागीदारी दिखाते हैं। बाबा फकीर सिंह खालसा के नेतृत्व में 25 निहंग सिखों ने 1858 में बाबरी मस्जिद में प्रवेश किया। उन्होंने हवन (अनुष्ठान) किया और मस्जिद की दीवारों पर राम राम लिखा।एफआईआर दर्जः इस घटना के कारण अवध पुलि स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई।ऐतिहासिक साक्ष्यः इस घटना को बाद में राम जन्मभूमि मामले में सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया गया। निहंगों का आस्था भगवान श्री राम पर था क्योंकि वो गुरू गोविन्द सिंह जी को भगवान श्री राम का रूप मानते हैं जो कंगन घाट गुरूद्वारे में मिलेगा गुरु जी का जन्म- गुरु गोबिन्द सिंह जी का जन्म 22 दिसम्बर, सन् 1666 ई० को पटना में हुआ । इनका बचपन का नाम गोबिन्द राय पटना सिटी में गुरुगोविन्द सिंह क़ो गुरु के रूप में लगभग सभी लोग ईश्वर का साक्षात रूप मानते हैं क्योंकि वहाँ जन्म हुआ सिर्फ ऐ बात नहीं बल्कि सेवा यानी लंगर का जो स्नेह गुरुजी से सबको सिखाया इसलिए और वहाँ कभी बाढ़ नहीं आता है क्योंकि गुरूजी ने अपने 4वर्ष उसी घाट पर बिताये और उसे आज गुरू गोविंद सिंह घाट कहते हैं वहाँ कम से कम 80प्रतिशत दुकानों में अभी भी उनका फोटो मिलेगा क्योंकि जब गुरु गोबिंद सिंह जी का 350वां प्रकाश पर्व पटना सिटी में 2017 में मनाया गया था।तब वहाँ बहुत से श्रद्धालु देश विदेश से आए और आस पास के जितने इलाके जैसे मंगलतालाब, जहाजी कोठी, सिटी चौक और वहाँ पंजाब से लाए गए खालसा पंथ का निशान भी गुरू गोविन्द सिंह पूल पर लगा है और शौर्य और शांति का प्रतिक है मंगल तालाब जो पूरी तरह गन्दा था वहाँ साफ सफाई कर शा में गुरुजी पर लाइट शो का आयोजन किया जाता है तख्त श्री हरमंदिर जी साहिब से महज 250 गज दूरी पर बहुत पहले गंगा की धारा बहती थी। यहां बाल गोबिंद 4 वर्ष की आयु में खेलने जाया करते थे। एक दिन उनके एक हाथ का कंगन नदी में गिर गया। तलाश कराये जाने पर एक ही तरह के सैकड़ों कंगन गंगा नदी से निकलने लगे। तभी से उस घाट का नाम कंगनघाट पड़ा उसी घाट पर उस समय भगवान श्रीराम की मंदिर था जो आज भी कंगन घाट पर है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

तीसरे दिन भारत ए का दबदबा, खलील अहमद चमके, राहुल और ईश्वरन ने लगाया अर्धशतक

नई दिल्ली। खलील अहमद की चार विकेट की शानदार गेंदबाजी, इंग्लैंड लॉयंस की निचले क्रम की लड़ाकू पारियां और फिर केएल राहुल व अभिमन्यु ईश्वरन की अर्धशतकीय साझेदारी के दम पर भारत ए ने दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के तीसरे दिन रविवार को खुद को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है। भारत ए ने तीसरे दिन स्टंप्स तक 4 विकेट पर 163 रन बनाकर 184 रन की कुल बढ़त हासिल कर ली है।

खलील की कहर बरपाती गेंदबाजी, लॉयंस ढेर होते-होते बचे- दिन की शुरुआत 192/3 से करने वाली इंग्लैंड लॉयंस की टीम 243/8 तक लड़खड़ा गई थी, जहां खलील अहमद ने कहर बरपाया। उन्होंने लगातार विकेट चटकाकर भारत ए को मजबूत वापसी कराई। हालांकि जोश टंग (36*) और फरहान अहमद (24) ने निचले क्रम में जुझारू बल्लेबाजी कर टीम को 327 के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। खलील ने 4/70 की शानदार गेंदबाजी की।

राहुल-ईश्वरन की साझेदारी ने दिलाई

बढ़त- दूसरी पारी में भारत ए की शुरुआत खराब रही और यशस्वी जायसवाल एक बार फिर सस्ते में आउट हो गए। लेकिन इसके बाद केएल राहुल (51) और अभिमन्यु ईश्वरन (80) ने 88 रनों की अहम साझेदारी की। राहुल ने पहले पारी के शतक के बाद दूसरी पारी में भी शानदार बैटिंग करते हुए फिफ्टी जड़ी। वहीं, कप्तान ईश्वरन अंत तक टिके रहे और 80 रन की दमदार पारी खेली। करुण नायर ने कुछ आकर्षक शॉट्स खेले लेकिन 15 रन बनाकर आउट हो गए। दिन के अंतिम क्षणों में रोशनी की समस्या के चलते खेल रोकना पड़ा और ईश्वरन का विकेट भी गिर गया जब उन्होंने वोक्स की गेंद पर स्लिप में कैच थमा दिया।

इंग्लैंड लॉयंस की पहली पारी में उतार-चढ़ाव- इससे पहले सुबह के सत्र में जॉर्डन कॉक्स (45) और जेम्स रियू ने खलील और शार्दुल को चौके लगाकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन खलील ने दोनों को आउट कर भारत ए को बढ़त दिलाई। शार्दुल को स्विंग मिली लेकिन वो विकेट नहीं ले सके। तुषार देशपांडे और अंशुल काम्बोज ने बाद में असरदार गेंदबाजी की और पुछल्ले बल्लेबाजों को आउट कर पारी समेटी।

स्कोर संक्षेप में:

भारत ए: 348 और 163/4 (अभिमन्यु ईश्वरन 80, केएल राहुल 51; क्रिस वोक्स 2/31)

इंग्लैंड लॉयंस: 327 (एमिलियो गे 71, टॉम हेन्स 54; खलील अहमद 4/70)

भारत ए को कुल बढ़त: 184 रन

भारत ए की नजरें अब चौथे दिन इंग्लैंड लॉयंस पर दबाव बनाने और मैच में निर्णायक बढ़त लेने पर होंगी।

डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने के लिए बेहद उत्साहित है स्टीव स्मिथ

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने खुलासा किया है कि वह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल खेलने के लिए बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि दो महीने तक उन्होंने न्यूयॉर्क में छुट्टियां बिताईं और इस दौरान उन्होंने एक बार भी बल्ला हाथ में नहीं लिया। स्मिथ ने कहा कि आमतौर पर वह घर में एक बल्ला रखते हैं और कभी-कभी शैडो बैटिंग भी कर लेते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने पूरी तरह क्रिकेट से ब्रेक लेने का निर्णय लिया। स्मिथ ने बताया, मैंने यहां (डब्ल्यूटीसी फाइनल की तैयारी के कैंप में) आने से पहले एक बार भी बल्ला नहीं छुआ। पहली बार बैट पकड़ना वाकई में अच्छा लगा। आमतौर पर यह थोड़ा अजीब लगता है, लेकिन मैं जल्दी लय में लौट आया। दोनों अभ्यास सत्र

शानदार रहे और सब कुछ अपने आप क्लिक करता चला गया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए स्मिथ अब पूरी तरह तैयार हैं और उनका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है। उन्होंने यह भी बताया कि वे शारीरिक रूप से पहले से बेहतर स्थिति में हैं। स्मिथ ने कहा, मैं 2014 के बाद पहली बार खुद को इतना फिट महसूस कर रहा हूं। मेरे कूल्हे एकदम ठीक हैं, मैं बेहतर तरीके से झुक सकता हूं, जो स्लिप में फील्डिंग करते समय मदद करेगा। यह शायद मेरी अब तक की सबसे अच्छी शारीरिक स्थिति है। स्मिथ के इस बयान से यह साफ है कि उन्होंने न सिर्फ मानसिक रूप से खुद को तरोताजा किया है, बल्कि शारीरिक रूप से भी खुद को नई ऊंचाई पर पहुंचाया है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि मैदान पर वापसी के साथ वे अपनी बल्लेबाजी से क्या कमाल दिखाते हैं। मालूम हो कि स्मिथ काफी समय से क्रिकेट से दूर थे और इस दौरान उन्होंने जानबूझकर बल्ला तक नहीं उठाया। चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के सेमीफाइनल से बाहर होने के बाद स्मिथ ने वनडे क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी और इसके बाद से वे पूरी तरह क्रिकेट से दूर रहे।

कुलदीप यादव अपनी मंगेतर के साथ नजर आये, रिंकू की मंगेतर भी साथ थीं

लखनऊ। क्रिकेटर कुलदीप यादव और रिंकू सिंह आजकल बेहद चर्चाओं में बने हैं। रिंकू की जहां 8 जून को सगाई हुई, वहीं कुलदीप की कुछ दिनो पहले हुई थी। अब कुलदीप की सगाई के अवसर की एक तस्वीर सोशल मीडिया में आई है इसमें वह अपनी मंगेतर और रिंकू सिंह की मंगेतर के साथ नजर आ रहे हैं। तीनों ही पारंपरिक पोशक में है। यह तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है और लोग न केवल उनकी बॉन्डिंग की तारीफ कर रहे हैं बल्कि उनके फैशन सेंस की भी तारीफ कर रहे हैं। कुलदीप ने इस अवसर पर सफेद (आइवरी व्हाइट) कलर की ब्रोकेड शेरवानी पहनी, जिस पर हल्का एम्ब्रॉयडरी वर्क किया गया था। उन्होंने इसके साथ ही मैचिंग चूड़ीदार और ब्राउन फॉर्मल शूज पहने हैं। उनका हेयरस्टाइल और हल्की दाढ़ी उनके पूरे लुक को और भी स्मार्ट बना रही थी। यह लुक एकदम शाही और एलिगेंट लग रहा था, जो किसी भी फेस्टिव या वेडिंग मौके पर परफेक्ट माना जा सकता है. वहीं रिंकू सिंह की मंगेतर प्रिया सरोज ने ब्लैक और गोल्डन कॉम्बिनेशन की क्लासिक बनारसी साड़ी पहनी थी। इस साड़ी की गोल्डन बॉर्डर और रिच टेक्सचर ने उनके लुक को बहुत शालीन और पारंपरिक बना दिया। उन्होंने इसे सिंपल ब्लैक ब्लाउज, पर्ल नेकलेस और घड़ी के साथ स्टाइल किया। उनकी सादगी और ग्रेस

ने इस ट्रेडिशनल आउटफिट को और भी खास बना दिया। उनका हेयरस्टाइल स्ट्रेट ओपन हेयर था और मेकअप भी मिनिमल रखा गया था। वहीं कुलदीप यादव की मंगेतर वंशिका ने इस मौके पर रेड और गोल्डन वर्क वाला भारी लहंगा पहना था। लहंगे पर की गई एम्ब्रॉयडरी और डिज़ाइन ब्राइडल टच देती है. उन्होंने अपने आउटफिट को मैचिंग दुपट्टे, स्टेटमेंट ज्वेलरी और स्मूद हेयरस्टाइल के साथ स्टाइल किय। उनका यह लुक बहुत ही ग्रैंड और रॉयल फील दे रहा था, जिसे शादी या रिसेप्शन जैसे अवसरों के लिए एक परफेक्ट फैशन इंस्पिरेशन माना जा सकता है। तीनों की ये तस्वीर इस बात का सबूत है कि परंपरा और ट्रेंड का संतुलन कैसे साधा जाता है। एक तरफ कुलदीप की शेरवानी में क्लास है, तो दूसरी ओर उनकी मंगेतर का लहंगा लुक स्टनिंग है।

रोनाल्डो ने भविष्य को लेकर अटकलों पर लगाया विराम, अल-नास्र के साथ जुड़े रहेंगे

नई दिल्ली। सऊदी प्रो लीग क्लब अल-नास्र के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पुष्टि कर दी है कि वे अगला सीजन भी इसी क्लब के साथ खेलेंगे। इस घोषणा के साथ ही उनके भविष्य को लेकर चल रही तमाम अटकलों पर विराम लग गया है। 40 वर्षीय रोनाल्डो ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में अपना तीसरा खिताब हासिल किया, जब पुर्तगाल ने स्पेन को हराकर यूईaएफए नेशंस लीग का खिताब जीता। रोनाल्डो ने फाइनल मुकाबले के दूसरे हाफ में अपना 138वां अंतरराष्ट्रीय गोल किया, जिससे मुकाबला 2-2 की बराबरी पर पहुंचा और फिर पुर्तगाल ने पेनल्टी शूटआउट में जीत हासिल की। हालांकि, रोनाल्डो शूटआउट के समय मैदान पर नहीं थे, लेकिन उन्होंने बेंच से अपनी टीम की जीत का जश्न देखा और भावुक हो गए। जीत के बाद रोनाल्डो ने सोमवार (भारतीय समयानुसार) को कहा, "मेरा भविष्य? कुछ खास नहीं बदलने वाला।" जब उनसे सीधे पूछा गया कि क्या वह अल-नास्र में ही बने रहेंगे, तो उन्होंने जवाब दिया – "हां।" नेशंस लीग खिताब अब रोनाल्डो के यूरो 2016 और 2019 नेशंस लीग जीत के साथ उनकी उपलब्धियों में जुड़ गया है। इस भावुक जीत के

बाद रोनाल्डो आंसुओं में नजर आए। हालांकि, उनका नाम 14 जून से अमेरिका में शुरू हो रहे 32 टीमों के फीफा क्लब वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने वाली कई टीमों के साथ जुड़ा था, लेकिन उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि वह इस टूर्नामेंट में भाग नहीं लेंगे। रोनाल्डो ने खुलासा किया कि उन्हें अमेरिका की कई क्लबों से प्रस्ताव मिले हैं। अल-नास्र के स्पोर्टिंग डायरेक्टर फर्नांडो हिएरो ने हाल ही में कहा था कि क्लब रोनाल्डो के साथ अनुबंध विस्तार को लेकर बातचीत कर रहा है, हालांकि अन्य टीमें भी उन्हें अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर रही हैं। रोनाल्डो ने दिसंबर, 2022 में मैनचेस्टर यूनाइटेड से अल-नास्र का रुख किया था और तब से अब तक उन्होंने 111 मैचों में 99 गोल दागे हैं।

शेफर्ड और होल्डर ने आदिल के एक ही ओवर में बनाये 31 रन

लंदन। इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी-20 मैच को चार विकेट से जीत लिया। वेस्टइंडीज ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 196 रन बनाये। इसे बाद इंग्लैंड ने ये लक्ष्य छह विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इंग्लैंड के लिए इस मैच में ल्यूक वुड ने शानदार गेंदबाजी करते हुए दो विकेट लिए। वहीं आदिल राशिद बेहद महंगे साबित हुए। राशिद ने एक ही ओवर में 31 रन दे दिये। यह टी-20 में किसी भी इंग्लैंड के गेंदबाज द्वारा किया गया दूसरा सबसे महंगा ओवर बन गया, इससे पहले 2007 टी20 विश्व कप के दौरान स्टुअर्ट ब्रॉड के ओवर में युवराज सिंह से छह छक्के लगाकर 36 रन बनाये थे। राशिद ने पारी का 19 ओवर जेसन होल्डर और रोमारियो शेफर्ड को किया। उनके ओवर की पहली

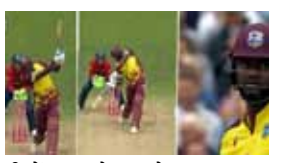

ही गेंद पर होल्डर ने छक्का लगा दिया। इसके बाद दूसरी गेंद पर भी छह रन गये। वहीं तीसरी गेंद पर लॉन्ग-ऑन पर छक्का लगा। चौथी गेंद पर होल्डर ने एक रन बनाया। इसके बाद शेफर्ड ने पांचवीं गेंद और छठी गेंद पर छक्का लगाकर ओवर समाप्त किया। इस मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी की। एविन लुईस जल्दी आउट हो गए पर शाई होप और जॉनसन चार्ल्स ने 90 रन बनाकर पारी संभाली। होप 49 रन बनाकर आउट हुए। रोवमैन पॉवेल और जेसन होल्डर ने वेस्टइंडीज को 20 ओवर में छह विकेट पर 196 रनों तक पहुंचा दिया।

व्यापार

मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी

नई दिल्ली। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ही घरेलू शेयर बाजार ने मजबूती के साथ कारोबार का अंत किया। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। लगभग पूरे दिन बाजार में लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश चलती रही, जिसके कारण शेयर बाजार की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। इसके बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लगातार हरे निशान में ही बने रहे। दिनभर की खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 0.31 प्रतिशत और निफ्टी 0.40 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज के कारोबार के दौरान रियल्टी सेक्टर को छोड़कर शेष सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। सबसे अधिक तेजी बैंकिंग, आईटी और मीडिया सेक्टर के शेयरों में दर्ज की गई। इसके अलावा कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, हेल्थ केयर, टेक, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस और मेटल इंडेक्स भी मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.03 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.19 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 4 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 455.08 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 451.13 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.95 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,335 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें

2,805 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,399 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 131 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,642 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,870 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 772 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 22 शेयर बढ़त के साथ और 8 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 39 शेयर हरे निशान में और 11 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 385.56 अंक की मजबूती के साथ 82,574.55 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी का जोर बन गया, जिसके कारण दोपहर 11 बजे के थोड़ी देर पहले ही ये सूचकांक 480.01 अंक की तेजी के साथ 82,669 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली शुरू हो गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 2:30 बजे के करीब ये सूचकांक गिर कर 82,369.24 अंक तक आ गया। इस गिरावट के बाद एक बार फिर खरीदारों ने जोर लगाया, जिससे सेंसेक्स 256.22 अंक की तेजी के साथ 82,445.21 अंक के स्तर पर बंद होने में सफल रहा। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 157.05 अंक उछल कर 25,160.10 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होने लगा। बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक गिर कर 25,077.15 अंक तक पहुंचा। राहत के बात यही रही कि बिकवाली का दबाव बनने के बावजूद ये सूचकांक लगातार हरे निशान में ही कारोबार करता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी 100.15 अंक की मजबूती के साथ 25,103.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दुनिया का सबसे बड़ा कंटेनर जहाज एमएससी इरिना विझिनजाम बंदरगाह पर पहुंचा

नई दिल्ली। दुनिया का सबसे बड़ा कंटेनर जहाज एमएससी इरिना सोमवार को केरल के तिरुवनंतमपुरम में विझिनजाम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह पर सुबह आठ बजे पहुंचा। कंटेरन जहाज के यहां पहुंचने पर उसका स्वागत पारंपरिक जल सलामी के साथ किया गया। ये जहाज मंगलवार तक यहां रहेगा। दुनिया के सबसे बड़े कंटेनर जहाज एमएससी इरिना ने विझिनजाम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह पर ऐतिहासिक शुरुआत की। दक्षिण एशियाई बंदरगाह की अपनी पहली यात्रा पर आया ये जहाज सुबह 8 बजे बंदरगाह पर पहुंचा, जिसने अल्ट्रा-लार्ज कंटेनर जहाजों (यूएलसीवी) को संभालने में विझिनजाम की क्षमताओं को उजागर किया। एमएससी इरिना, जिसे टीईयू (बीस फुट समतुल्य इकाई) क्षमता के हिसाब से दुनिया का सबसे बड़ा कंटेनर जहाज बताया जा रहा है, जो मंगलवार तक बंदरगाह पर खड़ा रहेगा। विझिनजाम अंतरराष्ट्रीय

बंदरगाह को अडाणी समूह ने बनाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2 मई को इसका उद्घघाटन किया। दुनिया के सबसे बड़े जहाज का आगमन नए बंदरगाह के लिए मील का पत्थर है।

फुटबॉल मैदान से लगभग चार गुना लंबा है ये जहाज- एमएससी इरिना जहाज की क्षमता 24,346 टीईयू की है, जो इसे वैश्विक शिपिंग में एक मजबूत खिलाड़ी बनाती है। 399.9 मीटर की लंबाई और 61.3 मीटर की चौड़ाई के साथ यह जहाज फीफा द्वारा नामित एक मानक फुटबॉल मैदान से लगभग चार गुना लंबा है। इस को मार्च, 2023 में लॉन्च किया गया था, जो उसी वर्ष अप्रैल में अपनी पहली यात्रा पर निकला था।लाइबेरियाई झंडे के नीचे चलने वाला यह जहाज 26 स्तरों तक ऊंचे कंटेनरों को ढेर करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो कंटेनर स्टैकिंग में बेजोड़ क्षमता प्रदान करता है। समकालीन पर्यावरण मानकों के अनुरूप, यह पोत ऊर्जा-बचत सुविधाओं से सुसज्जित है, जो कार्बन उत्सर्जन में 4 फीसदी तक की कमी लाने में योगदान देता है, जिससे परिचालन दक्षता बनाए रखते हुए इसके कार्बन पदचिह्न में उल्लेखनीय कमी आती है। उल्लेखनीय है कि एमएससी इरिना जहाज का यह स्मारकीय आगमन विझिनजाम बंदरगाह के लिए भी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ, जिसे 2 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र को समर्पित किया था। इस बंदरगाह ने जुलाई, 2024 में परीक्षण के आधार पर और उसके बाद दिसंबर में वाणिज्यिक संचालन शुरू होने के बाद से अब तक 7.33 लाख कंटेनरों को संभालने वाले 349 जहाजों को बर्थिंग की सुविधा प्रदान की है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, फीकी पड़ी सोने और चांदी की चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 97,960 रुपये से लेकर 98,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,790 रुपये से लेकर 89,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह ही चांदी के भाव में भी आज मामूली कमजोरी आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 200 रुपये सस्ती होकर 1,06,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 98,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत

89,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 98,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 89,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 98,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है।

पेटीएम ने लॉन्च की पर्सनलाइज्ड यूपीआई आईडी सुविधा, ऐसे करें इस्तेमाल

नई दिल्ली। ऑनलाइन भुगतान और वित्तीय सेवा वितरण कंपनी पेटीएम ने सोमवार को व्यक्तिगत यूपीआई आईडी लॉन्च किया है।ये सुविधा भुगतान गोपनीयता को बढ़ाएगी और मोबाइल नंबर के खुलासे को रोकेगी। पेटीएम की इस नई सर्विस के तहत अब उपभोक्ता अपनी पर्सनलाइज्ड यूपीआई आईडी बना सकते हैं। पेटीएम की इस नई सर्विस से यूजर्स अपने मोबाइल नंबर को प्राइवेट रख सकते हैं, जिससे उनकी प्राइवेसी बढ़ेगी। पेटीएम की नई पेशकश नई पर्सनलाइज्ड यूपीआई आईडी में आप नाम@ptyes और नाम@ptaxis जैसी UPI आईडी भी बना सकते हैं, जिससे कोई व्यक्ति अपने मोबाइल नंबर बताए बिना पैसे भेज और प्राप्त कर सकते हैं। ये सुविधा वर्तमान में यस बैंक और एक्सिस बैंक द्वारा जारी किए गए हैंडल पर लाइव है और

जल्द ही इसे अन्य बैंकिंग भागीदारों तक बढ़ाया जाएगा। पेटीएम की इस नई सर्विस के तहत अब उपभोक्ता अपनी पर्सनलाइज्ड यूपीआई आईडी बना सकते हैं। पेटीएम की इस नई सर्विस से यूजर्स अपने मोबाइल नंबर को प्राइवेट रख सकते हैं, जिससे प्राइवेसी बढ़ती है। पेटीएम के मुताबिक व्यक्तिगत यूपीआई आईडी के साथ पेटीएम का लक्ष्य अधिक गोपनीयता प्रदान करना है। कंपनी का कहना है कि जब कोई उपयोगकर्ता अपने व्यक्तिगत यूपीआई आईडी का उपयोग करके पैसे भेजता या प्राप्त करता है, तो उसका मोबाइल नंबर लेन-देन विवरण से छिपा रहता है। कंपनी का दावा है कि यह व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा करता है, जबकि व्यक्तियों को एक अद्वितीय और आसानी से पहचाने जाने योग्य भुगतान पहचान बनाने की अनुमति देता है। पेटीएम के प्रवक्ता ने कहा, "हमने भुगतान में अधिक विकल्प और गोपनीयता प्रदान करने के लिए व्यक्तिगत यूपीआई आईडी पेश की है। प्रवक्ता ने कहा कि हमने अपने ग्राहकों से प्रतिक्रिया सुनी जो अपने मोबाइल नंबर को निजी रखना चाहते थे और इस जरूरत को पूरा करने के लिए यह समाधान बनाया। हम विचारशील नवाचारों को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो भुगतान को सभी के लिए सुरक्षित और अधिक सुविधाजनक बनाते हैं।"

स्टेट बैंक ने सरकार को दिया 8076.84 करोड़ रुपये का लाभांश

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने सोमवार को 8,076.84 करोड़ रुपये के लाभांश का चेक सौंपा। इस अवसर पर वित्त सचिव अजय सेठ और वित्तीय सेवाएं विभाग (डीएफएस) सचिव एम. नागराजू भी मौजूद रहे। वित्त मंत्री कार्यालय ने एक बयान में बताया कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सी. श्रीनिवास सेट्टी से केंद्रीय वित्त मंत्री को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 8,076.84 करोड़ रुपये का लाभांश चेक प्राप्त हुआ। ये राशि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 के 6,959 करोड़ रुपये के लाभांश से अधिक

है, जो एसबीआई के उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि भारतीय स्टेट बैंक एक भारतीय बहुराष्ट्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक के साथ वित्तीय सेवा निकाय है। इसका मुख्यालय मुंबई में है। बैंक की परिसंपत्तियों के हिसाब से 23 फीसदी बाजार हिस्सेदारी है, जबकि कुल ऋण और जमा बाजार में इसकी हिस्सेदारी 25 फीसदी है। यह करीब 250,000 कर्मचारियों के साथ भारत का दसवां सबसे बड़ा नियोक्ता भी है।

रेड टॉप और मिनी स्कर्ट में अवनीत कौर का डांस वीडियो वायरल, फैंस बोले- गॉट मूव्स

सोशल मीडिया सेंसेशन और एक्ट्रेस अवनीत कौर ने एक बार फिर अपने डांस वीडियो से इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है. अवनीत ने इंस्टाग्राम पर एक नया रील शेयर किया है जिसमें वह रेड डीप नेक टॉप और ब्राउन लेदर मिनी स्कर्ट में जबरदस्त डांस करती नजर आ रही हैं. वीडियो में उनके डांस मूव्स और एक्सप्रेशन्स ने फैंस को दीवाना बना दिया है. अवनीत का यह वीडियो कुछ ही घंटों में 1.4 लाख से ज्यादा लाइक्स बटोर चुका है और इस पर लगातार कमेंट्स आ रहे हैं. किसी ने उन्हें हमेश की तरह अद्भुत कहा तो किसी ने लिखा आपके डांस मूव्स बहुत अच्छे हैं . वहीं कई फैंस ने फायर और हार्ट इमोजी के साथ उनकी तारीफ की है. अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपने ग्लैमरस लुक्स और डांस वीडियोज़ से फैंस का दिल जीत लेती हैं. उनका यह नया लुक भी फैशन और स्टाइल के मामले में काफी ट्रेंडी नजर आ रहा है. गले में मल्टी लेयर नेकलेस, ओपन हेयर और सिंपल मेकअप के साथ उनका ये लुक इंटरनेट पर वायरल हो रहा है. अवनीत की यह रील यह साबित करती है कि वह सिर्फ एक एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि एक शानदार डांसर और स्टाइल ट्रेंडसेटर भी हैं. उनका यह वीडियो फैंस के बीच खूब पसंद किया जा रहा है और उनके कमेंट्स से यह साफ है कि लोग अवनीत के हर नए पोस्ट का बेसब्री से इंतज़ार करते हैं.

पुष्पा की हिरोइन बनी दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण का नाम इन दिनों इंटरनेट पर छाया हुआ है. हाल ही में उनकी संदीप रेड्डी वांगा के साथ हुई कॉन्ट्रोवर्सी ने खूब चर्चा बटोरी. जिसके बाद उनके प्रभास स्टारर स्पिरिट से बाहर होने की खबरें आईं. इतना ही नहीं उनके कल्कि 2 का हिस्सा ना होने की खबरें भी सामने आईं. लेकिन अब फाइनली उनके फैंस के लिए कुछ ऐसा आया है जिसके लिए वे एक्साइटेड और खुश दोनों हो सकते हैं. दीपिका पादुकोण ऑफिशियली एटली की अपकमिंग साई-फाई एए22&ए6 का हिस्सा बनने जा रही है.

एटली की साई-फाई फिल्म में एक्ट्रेस की ऑफिशियल एंट्री

एए22&ए6 के की टीम ने आधिकारिक तौर पर दीपिका पादुकोण के फिल्म में शामिल होने की पुष्टि कर दी है. आज प्रोडक्शन हाउस सन पिक्चर्स ने एक वीडियो रिलीज किया है जिसमें दीपिका एक खास सूट में एटली के निर्देशन में एक स्टूडियो में शूटिंग करती हुई नजर आ रही हैं. टीम ने इस साई-फाई प्रोजेक्ट के लिए उनका गर्मजोशी से स्वागत किया, जिसमें अल्लू अर्जुन लीड रोल में हैं. सन पिक्चर्स ने लिखा, रानी विजय के लिए आगे बढ़ी. दीपिका पादुकोण का स्वागत है.

यह वीडियो अप्रैल में अल्लू अर्जुन के लिए रिलीज किए गए वीडियो के जैसा ही है, जब फिल्म की अनाउंसमेंट की गई थी. निर्देशक एटली ने ब्लू-मैट सेट पर सभी एक्टर्स के लुक का टेस्ट किया है. इस नए क्लिप में दीपिका पादुकोण हाथ में तलवार लिए घोड़े पर सवार दिखाई दे रही हैं, जो इस बात का संकेत है कि फिल्म में फंतासी, पीरियड और साइंस-फिक्शन का मिक्सचर होगा.

इस फिल्म में अल्लू अर्जुन डबल रोल में नजर आएंगी और कथित तौर पर तीन से पांच लीड एक्ट्रेस होंगी. आज, टीम ने दीपिका पादुकोण के लुक और प्रोजेक्ट की लीड एक्ट्रेस को इंट्रोड्यूस कर दिया है. आने वाले दिनों में, मृणाल ठाकुर और जाह्नवी कपूर जैसी एक्ट्रेस के लुक की भी ऑफिशियल अनाउंसमेंट होने की उम्मीद है. अल्लू अर्जुन के इस प्रोजेक्ट की अनाउंसमेंट होते ही फैंस एक्साइटेड हो गए थे और अंदाजा लगा रहे थे कि एटली और अल्लू जरूर कुछ बड़ा करने वाले हैं. अब दीपिका की एंट्री ने दर्शकों की एक्साइटमेंट और भी ज्यादा बढ़ा दी है.

फैंस कमेंट सेक्शन में दीपिका के एक्शन की खूब तारीफ कर रहे हैं वहीं एटली के प्रोजेक्ट को अभी हिट बता रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, क्वीन इज बैक. एक ने कमेंट किया, एटली जरूर कुछ बड़ा लाने वाले हैं. एक यूजर ने लिखा, एटली, अल्लू अर्जुन, दीपिका पादुकोण, वाह क्या टीम है. एक ने कमेंट किया, बीजीएम कितना शानदार है, मैं तो अभी से एक्साइटेड हूं.

बता दें कुछ दिनों से दीपिका पादुकोण कुछ कॉन्ट्रोवर्सी की वजह से सुर्खियां बटोर रही हैं. एनिमल फेम डायरेक्टर संदीप वांगा रेड्डी ने दीपिका का नाम लिए एक ट्वीट किया था जिसमें उन्होंने एक्ट्रेस पर उनकी फिल्म की कहानी लीक करने का आरोप लगाया था. हालांकि नेटिजन्स को समझते देर ना लगी कि ये दीपिका के लिए था. इसके बाद उनके कल्कि 2 से बाहर होने की खबरें भी आईं. लेकिन अब एटली के साथ कोलेबोरेशन से उनके फैंस बहुत खुश और एक्साइटेड हैं.

सरदार 2 की शूटिंग के लिए बैंकॉक पहुंचीं मालविका मोहनन

मलयालम और हिंदी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री मालविका मोहनन अपनी अपकमिंग तमिल फिल्म 'सरदार 2 की शूटिंग के लिए बैंकॉक पहुंच चुकी हैं। जासूसी-थ्रिलर फिल्म में वह अभिनेता कार्थी और राजिशा विजयन के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। मालविका ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर बैंकॉक के सेट से एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह शूटिंग की तैयारी करती दिखीं। सूत्रों के अनुसार, फिल्म की टीम इस आखिरी शेड्यूल में कुछ रोमांचक एक्शन सीन्स और एक खास गाने को शूट कर रही है। 'सरदार 2 साल 2022 की हिट फिल्म 'सरदार का सीक्वल है, जिसे निर्देशक पी.एस. मित्रन बना रहे हैं।मालविका ने प्रशंसकों के साथ एक सोशल मीडिया सीजन के दौरान बताया था कि वह जून में इस फिल्म की शूटिंग पूरी कर लेंगी। इस फिल्म की शूटिंग 100 दिनों से अधिक समय से चल रही है और अप्रैल में टीम ने 100 दिन पूरे किए थे। निर्देशक मित्रन ने बताया कि फिल्म का केवल 5-10 प्रतिशत हिस्सा शूट होना बाकी है और डबिंग का काम भी साथ-साथ चल रहा है।इवेंट में पता चला कि अभिनेता एसजे सूर्या फिल्म में खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। उनके किरदार का नाम 'ब्लैक डैगर है। सरदार 2 में कार्थी, एसजे सूर्या और राजिशा विजयन, मालविका मोहनन, आशिका रंगनाथ और सजल अहमद भी अहम भूमिकाओं में हैं।

एकता कपूर ने नेटफ्लिक्स से मिलाया हाथ

एकता कपूर उन भारतीय निर्माताओं में शुमार हैं, जिन्होंने न सिर्फ टीवी, बल्कि फिल्मों और ओटीटी तक पर खूब नाम कमाया है। 19 साल की उम्र में अपना पहला धारावाहिक हम पांच बनाने वाली और एमी पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय फिल्म निर्माता एकता ने टीवी और फिल्मी दुनिया में अपना बड़ा योगदान दिया है। अब एकता की बालाजी टेलीफिल्म्स ने कहानियों को रचनात्मक ढंग से पेश करने के लिए ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स से हाथ मिलाया है। बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड और नेटफ्लिक्स कहानियों को अलग-अलग जॉनर में रचनात्मक तरीके से पेश करेंगे। एकता ने कहा, बालाजी टेलीफिल्म्स में कहानी सुनाना हमेशा से ही हमारे हर काम के केंद्र में रहा है, चाहे वो सिनेमा हो, टेलीविजन हो या डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए हो। नेटफ्लिक्स के साथ आना हमारे लिए बड़ा मौका है। एकता के मुताबिक, इस साझेदारी के जरिए वह ऐसा क्रिएटिव कंटेंट पेश करेंगी, जो मनोरंजन करेगा, प्रेरित करेगा और हर जगह से लोगों को जोड़ेगा। इस सहयोग के बारे में नेटफ्लिक्स इंडिया के कंटेट टीम की उपाध्यक्ष मोनिका शेरगिल ने कहा, एकता मनोरंजन की दुनिया में एक प्रभावशाली व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने दो दशकों से अधिक समय से भारत में देखे जाने वाले और पसंद किए जाने वाले शो को एक अलग पहचान दिलाई। नेटफ्लिक्स के जरिए उन्होंने अलग-अलग उम्र के दर्शकों का मनोरंजन किया है। अब इस सहयोग से अनूठी कहानियों को शानदार तरीकों से पेश किया जाएगा, जो एक रचनात्मक सफर की शुरुआत होगी। एकता ने नेटफ्लिक्स के लिए इससे पहले कई फिल्में बनाई हैं। इसकी शुरुआत फिल्म डॉली किट्टी और वो चमकते सितारे से हुई थी, जो साल 2020 में रिलीज हुई थी। इसमें कोंकणा सेन और भूमि पेडनेकर मुख्य भूमिका में थीं। इसके बाद साल 2021 में एकता नेटफ्लिक्स पर सान्या मल्होत्रा अभिनीत पगलैट लेकर आईं। साल 2023 में एकता के प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनी कटहल और करीना कपूर की फिल्म जाने जान भी नेटफ्लिक्स पर ही रिलीज हुई थीं। एकता ने एक्टिंग को अपना करियर नहीं बनाया, लेकिन अपने काम से कई कलाकारों को स्टार बना दिया। इन दिनों जहां वह अपनी चर्चित टीवी सीरीज नागिन के सातवें भाग नागिन 7 में व्यस्त हैं, वहीं उनकी कई फिल्में कतार में हैं। एक ओर वह मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल की फिल्म वृषभ से बतौर निर्माता जुड़ी हैं तो दूसरी ओर अक्षय कुमार के साथ भूत बंगला लेकर आ रही हैं। श्रद्धा कपूर के साथ भी उनकी एक फिल्म आने वाली है।

अनूठी कहानियों को एक नए अंदाज में परोसेंगी निर्माता

'सरदार जी-3' बीटीएस में नजर आईं हानिया आमिर

पंजाबी सिनेमा के सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ फिलहाल वह अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सरदारजी-3' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्म के सेट से कुछ बीटीएस तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। इस वजह से इस समय हर जगह इसकी चर्चा हो रही है। पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। क्या हानिया वाकई दिलजीत की फिल्म में नजर आएंगी? नेटिजन्स यह सवाल पूछ रहे हैं। एक्टर ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की जिसमें पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री की पसंदीदा जोड़ी नीरू बाजवा और दिलजीत की केमिस्ट्री एक बार फिर देखने को मिली। लेकिन दिलचस्प बात ये रही कि कुछ यूजर्स ने इन फोटोज में हानिया आमिर को 'स्पॉट' कर लिया। एक फोटो में दिलजीत के साथ ब्लैक साड़ी पहनी एक लड़की नजर आई जिसे लेकर फैंस दावा कर रहे हैं कि वो कोई और नहीं बल्कि हानिया आमिर ही हैं। इसके साथ ही दूसरी फोटो में दिख रही आंखों और बालों से फैंस ने अंदाजा लगा लिया है कि वो भी हानिया ही हैं। फैंस दिलजीत की पोस्ट पर कमेंट कर पूछ रहे हैं, 'क्या हानिया इस फिल्म में हैं?' दरअसल, अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया था। उसके बाद पाकिस्तानी कलाकारों के भारत में काम करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। ऐसे में खबरें आई थीं कि हनिया आमिर को फिल्म से निकाल दिया गया है। हालांकि, इस पर अभी तक फिल्म निर्माताओं की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। 'सरदार जी-3' को लेकर फैंस में उत्साह चरम पर पहुंच गया है। यह फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है और इसका टीजर जल्द ही रिलीज किया जाएगा। दिलजीत दोसांझ नीरू बाजवा और हानिया की जोड़ी को लेकर दर्शकों में पहले से ही काफी क्रेज है, लेकिन अब अगर हानिया आमिर की फिल्म का हिस्सा बनती हैं तो नया विवाद खड़ा होने की संभावना है।

Governor Santosh Gangwar and CM Hemant paid tribute to Birsa Munda on his 125th death anniversary

Ranchi, On the occasion of the death anniversary of Dharti Aba Bhagwan Birsa Munda, tribute meetings were organized in the entire Jharkhand including the capital Ranchi on Monday. Governor Santosh Kumar Gangwar, Chief Minister Hemant Soren, former CM Arjun Munda, Champai Soren, MLA Kalpana Soren, Rajya Sabha MP Deepak Prakash, CP Singh, MP Mahua Maji, Naveen Jaiswal, CPI ML leader Dipankar Bhattacharya, along with many other dignitaries attended the Samadhi Sthal of Birsa Munda located in Kokar of the capital. During this time, people from the tribal community paid homage to the statue of Lord Birsa Munda according to traditional customs and a turban was tied on his

statue. Many dignitaries from the tribal community, social workers and common citizens were also present on this occasion. During the program, the entire Samadhi Sthal was decorated with traditional decorations. People paid tribute to Birsa Munda amidst the sound of drums and traditional songs. The Governor and the Chief Minister paid floral tributes at the Samadhi and saluted him and described his contribution to the upliftment of the tribal society as historic. Governor Santosh Kumar Gangwar said that Birsa Munda is not only a freedom fighter but also a symbol of tribal consciousness and social justice. He fought against the oppressive policies of the British and showed the tribal society the path of self-respect. Chief Minister Hemant Soren said that the work done by Dharti Aaba at a young age is an inspiration for every generation even today. Through his struggle, he taught us how to stand up against inequality and injustice. The government is committed to protecting the rights and privileges of the tribal society by following the path shown by him. Former Chief Minister Arjun Munda said that Bhagwan Birsa Munda is not only the leader of Jharkhand but of the entire country, preparations for a separate rebellion of the freedom struggle were done from Jharkhand and it started from here, today we all are paying tribute to him.

Former Chief Minister Champai Soren, who reached the Samadhi Sthal of Bhagwan Birsa Munda to pay his respects on the occasion, said that the tribals are being cheated in this state. There is a need to once again do a revolt on the lines of Bhagwan Birsa Munda. He said, wake up the tribals, wake up the natives. Extensive security arrangements were made at the Samadhi Sthal and students from various schools also came to pay tribute. Programs were also organized in government and private institutions across the state to remember Birsa Munda. Let us tell you that Birsa Munda was born on 15 November 1875 and died on 9 June 1900 in Ranchi jail under British captivity. He is worshipped as the hero of Ulgulan and Dharti Aaba. His death anniversary is celebrated in Jharkhand as a day symbolizing bravery and sacrifice.

Major train accident in Mumbai, 5 people died after falling from a moving train

Mumbai, A tragic accident took place at Mumbra railway station in Thane, Mumbai on Monday morning. 10-12 passengers fell from a passenger train going towards Chhatrapati Shivaji Maharaj Terminal. Out of these, 5 people died, while 5-7 others were injured. All of them have been admitted to a nearby hospital, where their condition remains stable. Some people claim that the accident happened in the Mumbai-Lucknow Pushpak Express train. Investigation into the incident is ongoing. According to reports, the accident occurred due to overcrowding in the train, with many passengers hanging on the doors. The accident happened around 10 am when the train was passing through Mumbra station.According

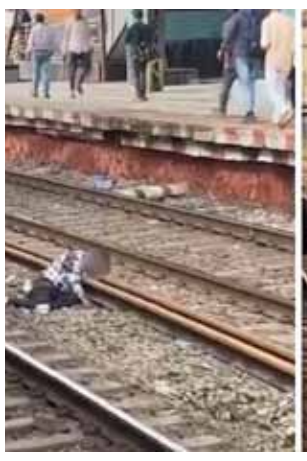

to eyewitnesses, 10-12 passengers fell from the moving train due to the pressure of the crowd and passengers hanging unsafely on the doors. Of these, 5 died, while the others are undergoing treatment. Giving information about this accident, Central Railway said that some passengers going towards CSMT at Thane's Mumbra railway station fell from the moving train. The cause of the accident is believed to be excessive crowd in the train. Railway administration and police have reached the spot. The injured have been immediately admitted to the nearest hospital. Investigation into the accident has begun. Local train services have also been affected after this accident.

Advance payment of lakhs was made but the community building has remained incomplete for 6 years

Korba The construction work of community building approved in the year 2018-19 in village panchayat Jilga at a cost of Rs 10 lakh from the mineral trust fund is still in a half-finished physical state even after about 6 years of release of advance payment of Rs 4 lakh. Only the walls of the building are standing like ruins up to the casting level. There has been a demand for investigation in the matter and action against the culprits for unnecessary delay. Bihari Lal Soni, a resident of Darri Road, has complained about the matter to the Collector, Chief Executive Officer District Panchayat and CEO Janpad Panchayat Korba. It has been said in the complaint that in the year 2018-19, in the Gram Panchayat

Jilga under the area of Janpad Panchayat Korba, the construction work of a community building in the colony was approved from the Mineral Trust Fund at a cost of Rs 10 lakh. Gram Panchayat Jilga was made the construction agency for this construction work. An advance payment of Rs 4 lakh for the construction work was released by the administration to the concerned construction agency. Which has been withdrawn by the construction agency. It has become a challenge for the district administrative system to curb the negligence and unnecessary delay in the implementation of construction works approved by the government in rural areas. Even after about 6 years, the construction work of the community building approved by the government remains in a half-incomplete physical state. This method of implementation of government works is raising many questions among the public. Due to the negligence of the concerned construction agency's technical/administrative staff, the construction of this community building approved for the convenience of the villagers has become a nightmare. In the case, the complainant has demanded to get the matter investigated and to get the construction work of this community building completed as soon as possible by giving appropriate orders and instructions to take necessary action against the culprits.

Scorching heat has created havoc in North India, temperature crosses 40 degrees

New Delhi, The harsh heat in North India has made life difficult for people. The temperature in Delhi NCR, Uttar Pradesh, Bihar, Punjab, Haryana and Rajasthan has crossed 40 degrees. According to the Indian Meteorological Department (IMD), the period of severe heat will continue in these states for the next 5 days. The weather pattern may change due to rain with strong winds on June 12, which will provide great relief to people from the heat. With the beginning of June in Rajasthan, the heat of the sun is scorching people. The sudden rise in temperature has broken many records. On Sunday, the maximum temperature in the state was recorded above 47 degrees. Heat wave conditions prevail in most of the districts. On June 9, the weather will remain dry with the temperature ranging between 45-47 degrees. There is a possibility of dust storm at some places. Heat is wreaking havoc

in Uttar Pradesh. The temperature is expected to reach 46-47 degrees due to dry weather for the next 2-3 days. Heat wave alert has been issued in some areas of the state on June 9 and 10. After June 11, the weather will change and there will be light to moderate rain with strong winds. In Bihar too, the heat is going to make life miserable for the next 2-3 days, but there is a possibility of rain till mid-June. The weather in Delhi has remained dry for the last 3 days, due to which the maximum temperature on Sunday crossed 42 degrees, while the heat index was 47.2 degrees. Due to this, people felt heat above 47 degrees and the humidity made them sweat According to IMD, the weather is expected to remain clear for the next 2-3 days and the wind is expected to blow at a speed of 20-30 km/hr. After June 12, it is expected to rain with cloudy weather. The Meteorological Department has predicted light to moderate rain in Northeast India during the next 7 days. Heavy rains may occur in Arunachal Pradesh, Assam and Meghalaya during June 11-14. Heavy rainfall is expected in Nagaland, Manipur, Mizoram and Tripura during June 10-13. There is a possibility of rain in the hilly states of Himachal Pradesh, Uttarakhand and Jammu and Kashmir between June 11-13. During this time, wind can also blow at a speed of 40-50 km / h.

RELIEF FROM GETTING RICE FOR 3 MONTHS AT ONCE, HAVING TO VISIT SOCIETIES FOR GRAM AND SUGAR

Korba The government will allot rice for 3 months at a time in June to the BPL ration cardholder beneficiaries. In the rainy season, people living below the poverty line do not have to go to the fair price shop again and again, so 3 months' rice is being given together in June. Preparations for this have been started. There are many fair price shops where there is no place to keep 3 months' rice together. The problem of storage has arisen. The government is giving government rice to the poor. But as promised, gram and sugar are not being allocated yet. Gram available at subsidized rates is a big relief for the poor. Gram is allocated from time to time, but then it remains missing. The operators of the fair price shop turn the beneficiaries back saying

that the allocation of gram and sugar has not come. It will be given when it is available. There is happiness among the beneficiaries about providing 3 months' rice at once, but on the other hand there is disappointment about not getting the complete ration. Beneficiaries say that it is a good thing that rice is being given for 3 months. People will not have to visit the ration shop again and again during the rainy season, but gram and sugar are not given at one go. They are told to come later, due to which one has to visit the government fair price shops again and again. A lot of time is wasted. People have not got gram for a long time. There are 553 PDS shops in the district. Storing three months' rice from the godown to the PDS shops before the end of June remains a challenge for the department. There are 553 PDS shops in the district, but most of the PDS shops do not have their own godowns nor do the PDS shops have the capacity to store rice for three months at a time. This has troubled the PDS operators. With the issuance of the order, the beneficiaries will demand three months' ration at once, but due to lack of storage, there is a possibility of a lot of problems in distribution. There are more than 3 lakh card holders in the district The number of families holding BPL ration card including primary, disabled, Antyodaya, destitute etc. in the district is 3 lakh 14 thousand 390. The Food Department and Food and Civil Supplies Corporation have started the process for distributing three months' ration to these beneficiary families at a time. Storage has been done at 82 percent PDS shops, while the department still has to store rice for the months of July and August in the PDS shops. This remains a challenge for the department. In previous years, distribution for two months was done every year. This is the first time that rice for three months is being distributed at a time.

Two people died in a fire in a house in Delhi's Dilshad Garden

New Delhi, Two people including a 24-year-old youth died in a fire in Delhi's Dilshad Garden. The fire officer gave this information late on Sunday night. The fire broke out in Kodi Colony. According to fire officer Anoop Singh, he was informed about the fire at 11:32 pm on Sunday night. He said, we reached the spot and started extinguishing the fire. As soon as the information about the fire was received, Head Constable Rajkumar reached the spot and rescued a woman named Meera Devi safely. After this, several fire brigade vehicles reached the spot and controlled the fire. However, by then two people had died. The deceased have been identified as Shashi (25) and Ballu (age around 55 years). The bodies of the deceased have been sent to the hospital for post-mortem. It is being told that Shashi lived in the same house with his parents and three brothers.

After extinguishing the fire, it was found that two e-rickshaws and motorcycles were burnt to ashes. Earlier on Friday, a fire broke out at an e-rickshaw charging station in Ghonda area of North-East Delhi, after which the Delhi Fire Service (DFS) rushed to the spot and took immediate action. DFS officials confirmed that four fire engines were immediately sent to the spot to control the fire. The incident was reported in the afternoon, after which the emergency teams extinguished the fire after a lot of effort.

Crime registered against BJP leader and her associates in case of assault on tribal rural farmer

Korba Superintendent of Police Siddharth Tiwari has taken the case of assault on a rural farmer in the Bankimongra police station premises of the district on the evening of June 7 very seriously. Immediately after the villager's report, a crime has been registered against the BJP leader and her associates under various sections and investigation has been started. The action of the Superintendent of Police has made it clear that whoever the accused is, he is not above the law and action will be taken against him. The applicant Balwan Singh Kanwar, father late Dhan Singh Kanwar, 40 years, lives in village Baredimuda and works as a farmer. He has filed a report that on 07 June 2025, he and his brother Chandrashekhar Kanwar, maternal uncle Ranjit Kanwar went to Hardi Bazaar to buy bulls. They

bought a pair of bulls, after which brother Chandrashekhar Kanwar and maternal uncle Ranjit Kanwar were walking while chasing the bulls. Balwan was coming ahead on his motorcycle. When he reached near Bankimongra Ravanbhata, Jyoti Mahant, Aman Singh Rajput, Mukesh Rana and other companions abused him and slapped him. The girl got down from the car and started abusing him and said, "Is this your father's road, you idiot? I have bathed ten people like you in the Ganga. I will strip you naked and beat you in the middle of the crossroads. You don't know my reach." After this, by threatening and showing the fear of police, they took the applicant hostage on three-four motorcycles and brought him to the police station. At that time all his companions came to the police station premises, then in the same Bankimongra police station premises he was dragged and beaten with kicks and shoes and while beating he was being told that you have seen our influence, when we can beat you in the police station premises then think what else we can do, the government and the police are in our pockets, we will make you rot in jail by getting a false molestation case registered against you with our influence. If you want to be saved then give us 20,000 (twenty thousand rupees).

Voices of awareness echoed in the poetry symposium focused on environment, mental pollution was said to be more dangerous than environment

Raipur, An environment-focused poetry symposium organized by Sanket Sahitya Samiti concluded on June 7 at Vrindavan Hall, Raipur, in which more than 45 poets gave messages on burning topics like environmental protection and pollution control through their creations. The chief guest of the program and editor of literary magazine Chhattisgarh Mitra, Dr. Sudhir Sharma said that poetry should not be just a medium of entertainment, but should be a power to give direction to the society. Senior linguist and poet Dr. Chittaranjan Kar, who was presiding over the program, said that mental pollution is more dangerous than environmental pollution and said that cultural and spiritual awareness is necessary to avoid this crisis. Senior poet Mir Ali Mir, Dr. Mrinalika Ojha and Dr. Seema Nigam were present as special guests. Writers from the capital Raipur and the surrounding areas

expressed concern over environmental problems through poetry recitation and awakened the consciousness of solutions. On this occasion, social worker Shashi Warwandkar, editor of magazine Divya Chhattisgarh Shashank Khare, singer Sunil Soni, Ganesh Dutt Jha and Rituraj Sahu were also specially present. While introducing the program, the founder and provincial president of the committee Dr. Manik Vishwakarma 'Navrang' mentioned environmental rules and said that sustainable development is possible only with a healthy body and healthy mentality. The program was effectively conducted by Pallavi Jha Ruma. Some of the prominent writers who recited poetry included Dr. Chittaranjan Kar, Dr. Sudhir Sharma, Mir Ali Mir, Dr. Manik Vishwakarma 'Navrang', Dr. Mrinalika Ojha, Dr. Seema Nigam, Prof. C.L. Sahu, Latika Bhave, Rameshwar Sharma, Shravan Chornele, Rajendra Raipuri, Dr. Ravindra Sarkar, Harish Kotak, Narmada Prasad Vishwakarma, Pallavi Jha, Siddharth Shrivastava, Pragya Trivedi, A.R. Dewangan, Preeti Tiwari, Shubha Shukla Nisha, Rajesh Chauhan, Loknath Sahu 'Lalkaar', Sushma Patel, Poorva Shrivastava, Suman Sharma Bajpai, Yudhishthir Sinha, Dilip Warwandkar, Rajendra Ojha, Luvkush Tiwari, Tirbala Dewangan, Bharti Yadav, Pradeep Mishra, Monika Soni,